गुरुवार, 2 जनवरी 2025

मौसम

तापमान 24 – 11
आर्द्रता 72%
सूर्योदय: 6:17 सूर्यास्त: 17:04

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारतीय यात्री वाहन बाजार में 2024 में रिकॉर्ड 43 लाख गाड़ियां की बिक्री –पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष तृतीया, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : परिवार वह समुद्र है जिसमें एक–एक बूंद महत्वपूर्ण है।

नव वर्ष के पहले दिन दक्षिणेश्वर मंदिर में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

नए साल में किसानों को विशेष तोहफा, फर्टिलाइजर पर सब्सिडी का ऐलान

नयी दिल्ली : नए साल में केंद्र सरकार ने किसानों को विशेष तोहफा दिया है। कैबिनेट की बैठक में केंद्र सरकार ने किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति करने का फैसला किया है। बुधवार को सरकार ने एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। सरकार के इस फैसले के बाद अब किसानों को डीएपी की 50 किलो वजन एक बोरी की कीमत 1,350 रुपये में मिल सकेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि डीएपी खाद के लिए

एकमुश्त विशेष पैकेज को जनवरी से दिसंबर 2025 के लिए मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी मुहैया कराना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बैग पर डीएपी मिलता रहेगा, जिसकी कीमत अन्य देशों में 3,000 रुपये से अधिक है।

नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'फसल बीमा योजना' के लिए आवंटन बढ़ाने सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ अन्य फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2021–22 से लेकर वर्ष 2025–26 तक कुल 69,515.71 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025–26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2025–26 तक देश भर के किसानों को नहीं रोके जा सकने योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इस फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई–बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी।''

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

टीएमसी ने धूमधाम से मनाया 26वां स्थापना दिवस

बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा : ममता

- विभिन्न जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सार्वजनिक समारोह, रक्तदान और ध्वजारोहण समारोह हुआ आयोजित
- ममता ने बंगाल के लोगों के अधिकारों के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

कोलकाता : बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अपना 26वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। पार्टी की स्थापना एक जनवरी 1998 को हुई थी। स्थापना दिवस पर विभिन्न जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सार्वजनिक समारोह और कस्बों व गांवों में जमीनी स्तर पर पार्टी के गहरे जुड़ाव को दर्शाने के लिए ध्वजारोहण समारोह आयोजित किए गए। पार्टी

की ओर से राज्यभर में इस दिन बड़ी संख्या में रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं ने बढ़–चढ़कर स्वेच्छा से रक्तदान किया।

कोलकाता में पार्टी मुख्यालय में चहल–पहल रही, जहां वरिष्ठ नेताओं ने टीएमसी का झंडा फहराया और पार्टी संस्थापकों को याद किया। इस दौरान युवा विंग ने रैलियां निकालीं जबकि महिला समर्थकों ने बंगाल की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के लोगों के अधिकारों के लिए पार्टी का संघर्ष जारी है और भविष्य में भी जारी रहेगा। ममता ने एक्स पर लिखा, 'सबसे पहले मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। इसके साथ ही आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस भी है। इस वर्ष के स्थापना दिवस के अवसर पर मैं आपके साथ अपना लिखा और संगीतबद्ध किया एक गीत साझा कर रही हूं। यह गीत प्रसिद्ध गायक व मंत्री इंद्रनील सेन ने गाया है। बंगाल के लोगों के अधिकारों के लिए हमारा संघर्ष जारी है और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। जय हिंद! जय बांग्ला! वंदे मातरम! तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद! मां–माटी–मानुष जिंदाबाद।'

इस अवसर पर तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और बलिदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'टीएमसी देश और राज्य के लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है। मैं सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और बलिदान को सलाम करता हूं। वे हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। नए साल में, आइए भविष्य के संघर्षों के लिए नए जोश के साथ तैयारी करें।'

एयर इंडिया ने चुनिंदा विमानों में वाई–फाई सेवा शुरू की

मुंबई : एयर इंडिया ने बुधवार को एयरबस ए350 और बोइंग 787–9 विमानों के बेड़ों के साथ चुनिंदा एयरबस ए321 नियो विमानों में भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान वाई–फाई इंटरनेट सेवाएं देनी शुरू कर दीं। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि अब वह भारत के भीतर उड़ानों में वाई–फाई कनेक्टिविटी की पेशकश करने वाली पहली एयरलाइन बन गई है। यह सुविधा आईओएस या एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम वाले लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन उपकरणों पर उपलब्ध होगी। हालांकि, विमान के 10 हजार फुट से ऊंचाई पर जाने के बाद ही यात्री वाई–फाई सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे।

न्यू ओर्लियंस में नए साल का जश्न मना रही भीड़ में घुसाया वाहन, 10 लोगों की मौत

न्यू ओर्लियंस : अमेरिका में नववर्ष के दिन न्यू ओर्लियंस में कैनाल एवं बॉर्बन स्ट्रीट नामक मार्ग पर बुधवार को एक चालक ने भीड़ में एक ट्रक घुसा दिया, जिससे 10 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी एफबीआई इस घटना की जांच ''आतंकवादी कृत्य'' के कोण से भी कर रही है। एफबीआई ने बताया कि बुधवार को शहर के व्यस्त फ्रेंच क्वार्टर में बॉर्बन स्ट्रीट पर तड़के लगभग 3.15 बजे हुए हमले के बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में चालक मारा गया। यह घटना शहर

के कैसर सुपरडोम में आयोजित कॉलेज फुटबॉल क्वार्टर फाइनल ऑलस्टेट बाउल की शुरुआत से कुछ घंटे पहले हुई, जिसमें हजारों लोगों के एकत्र होने की उम्मीद थी। कानून प्रवर्तन से जुड़े एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि जांचकर्ता संभावित विस्फोटक उपकरणों की तलाश में फ्रेंच क्वार्टर की तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह जांच का ब्योरा देने के लिए अधिकृत नहीं हैं। एफबीआई के न्यू ओर्लियंस फील्ड कार्यालय के प्रभारी सहायक विशेष एजेंट एलेथिया डंकन ने कहा कि अधिकारी घटनास्थल पर कम से कम एक संदिग्ध विस्फोटक उपकरण को लेकर जांच कर रहे हैं। न्यू ओर्लियंस की मेयर लाटोया कैंट्रेल ने इसे ''आतंकी हमला'' करार दिया।

जीएसटी संग्रह दिसंबर में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : देश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह दिसंबर महीने में 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये रहा है। घरेलू और निर्यात मदों में कर वापसी के बावजूद जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 32,836 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 40,499 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 47,783 करोड़ रुपये और उपकर 11,471 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कुल माल एवं सेवा कर राजस्व 7.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले इसी महीने में यह 1.65 लाख करोड़ रुपये था।

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के चार सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बुधवार को पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके से आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, ''पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर त्राल इलाके में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया।'' उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुदासिर अहमद नाइक, उमर नजीर शेख, इनायत फिरदौस और सलमान नजीर लोन के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग त्राल और अवंतीपोरा इलाकों में आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादियों को रसद और अन्य सहायता मुहैया कराते थे।

दो हजार रुपये के 6,691 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी लोगों के पास: आरबीआई

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि 2,000 रुपये के 98.12 प्रतिशत नोट अबतक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं जबकि 6,691 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट अब भी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। उसके बाद से ही इन नोटों को वापस लेने की प्रक्रिया चल रही है। आरबीआई ने बयान में कहा कि चलन में मौजूद 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 31 दिसंबर, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर 6,691 करोड़ रुपये रह गया। यह मूल्य 19 मई, 2023 को आरबीआई के फैसले के दिन 3.56 लाख करोड़ रुपये था।

भारत के अधिकांश भागों में जनवरी के गर्म रहने की संभावना: आईएमडी

भारत में 1901 के बाद से 2024 सबसे गर्म साल

नयी दिल्ली : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि पूर्वी, उत्तर–पश्चिम और पश्चिम–मध्य क्षेत्रों के कुछ इलाकों को छोड़कर जनवरी में भारत के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि उत्तर–पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत तथा दक्षिणी प्रायद्वीप के मध्य भागों को छोड़कर देश के अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मध्य भारत के पश्चिमी और उत्तरी भागों में जनवरी के दौरान शीतलहर दिवस सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि जनवरी से मार्च के दौरान उत्तर भारत में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है, जो दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 86 प्रतिशत से भी कम होगी। साल 1971–2020 के आंकड़ों के आधार पर, इस अवधि के दौरान उत्तर भारत में औसत वर्षा का स्तर लगभग 184.3 मिमी है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे उत्तरी और उत्तर–पश्चिमी राज्य सर्दियों (अक्टूबर से दिसंबर) में गेहूं, मटर, चना और जौ सहित रबी फसलों की खेती करते हैं और गर्मियों (अप्रैल से जून) में उनकी कटाई करते हैं। सर्दियों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के कारण होने वाली वर्षा, उनकी खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दिल्ली में भी अतुल सुभाष जैसा केस: कारोबारी ने 59 मिनट का वीडियो बनाकर दी जान

- पत्नी–ससुराल वालों से था परेशान

नयी दिल्ली : बेंगलुरु के बाद देश की राजधानी दिल्ली में भी अतुल सुभाष जैसा मामले सामने आया है। मॉडल टाउन इलाके में एक 40 साल के शख्स ने 54 मिनट का वीडियो बनाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान पुनीत खुराना के रूप में हुई है। पुनीत ने फंदे लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मंगलवार की शाम 4.18 बजे आत्महत्या की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि पुनीत खुराना (40) बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़ा था। उसके गले पर रस्सी का निशान था, उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। उसे **इगठच्** अस्पताल में भर्ती कराया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। मृतक के परिजनों ने मृतक की पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि मृतक का मोबाइल फोन और अन्य संबंधित सामान पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुनीत खुराना की मौत के बाद उनके परिवार ने उनकी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मृतक की बहन का कहना है, पुनीत की पत्नी मनिका पाहवा, उनकी बहन और माता–पिता ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और परेशान किया।

करीब 59 मिनट की एक वीडियो रिकॉर्डिंग है, जिसमें पुनीत ने अपने साथ हुए उत्पीड़न का विवरण दिया है। महिला ने पुनीत का सोशल मीडिया अकाउंट भी हैक कर लिया था। मृतक पुनीत की मां ने कहा कि वह (पुनीत की पत्नी) उसे प्रताड़ित करती रहती थी। मैं उसके लिए न्याय चाहती हूं। परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है।

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh
"Knee replacement can bring you back to normalcy, when done with precision" - Dr Santosh Kumar

प्रश्न– नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है?

डॉ. संतोष ने बताया कि नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों के लिए कई चीजे मायने रखती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण होता है सर्जन की विशेषज्ञता और अनुभव। सर्जन और उनकी टीम का कौशल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेशक इस्तेमाल किया जाने वाला इम्प्लांट भी अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता का होना चाहिए। लेकिन, मशीन के पीछे उसे चलाने वाला आदमी है, जो ज्यादा मायने रखता है। सर्जरी के बाद अच्छे नर्व ब्लॉक्स और अन्य मल्टी–मॉडलिटी के माध्यम से दर्द नियंत्रण करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है। सर्जरी के बाद व्यायाम स्वास्थ्य लाभ में तेजी लाता है और उत्साह को बढ़ाता है। इन सबके के साथ मरीज का रवैया भी बहुत महत्वपूर्ण है। मरीज की सकारात्मक सोच उसे ठीक

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar with world's latest Navigation System Orthopilot

करने में काफी अहम भूमिका निभाता है।

प्रश्न– नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?

डॉ. संतोष ने बताया कि इस्तेमाल किए जाने वाले इम्प्लांट अंतरराष्ट्रीय स्तर का होना चाहिए और लंबे समय तक फॉलोअप करना चाहिए। न्यू इम्प्लांट से बचना चाहिए। हम लंबे जीवन के लिए लो कांटेक्ट स्ट्रेस फ्लेक्सिबल इम्प्लांट का उपयोग करते हैं। टिबियल प्लेट आमतौर पर टाइटेनियम से बनी होती है। इम्प्लांट के दौरान स्ट्रेस को संतुलित रखने बहुत जरूरी है। यह अनिवार्य रूप से एक अनुभव सर्जन द्वारा किया जाना चाहिए। अच्छी सिमेंटेशन तकनीक बहुत महत्वपूर्ण है जो इम्प्लांट को हड्डी में ठीक करता है, जो फिर से सर्जन पर ही निर्भर करता है।

प्रश्न–ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत किसे होती है?

डॉ. संतोष जब किसी व्यक्ति को चलने फिरने में परेशानी आने लगे। घुटनों में दर्द होने का आरथ्राइटिस भी एक प्रमुख कारण होता है, और जब ये दर्द दैनिक जीवन की गतिविधियों को

प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो उसे नी–रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत होती है।

प्रश्न– ज्वाइंट रिप्लेसमेंट करवाने की सही उम्र क्या है?

डॉ. संतोष उम्र के अनुसार जब रोजमर्रा के काम करने में परेशानी आने लगे तो उसे, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए। ज्वाइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक कठिन हो जाती है और रिकवरी में भी देरी होती है। लेकिन हां, जरूरत से पहले ज्वाइंट रिप्लेसमेंट करवाना भी नहीं चाहिए।

प्रश्न– रिप्लेसमेंट इम्प्लांट कितने सालों तक रहती है?

डॉ. संतोष नी–रिप्लेसमेंट इम्प्लांट ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है। अनसीमेंटेड हिप इम्प्लांट अधिक समय तक चलता है।

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 25000+Patients in 15+Years

ऐसा हो जीवन कि न रहे कोई मलाल

यूं तो समय अनवरत रूप से अपनी गति से चलता है। लेकिन पर्व-त्योहार और खास दिन उसमें नई उमंग और उत्साह भर देते हैं। यूं तो हर नया साल पहले जैसा ही होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस समय का कितना बेहतर रचनात्मक उपयोग करते हैं। अपने व परिवार का जीवन कितना ऊर्जावान व सकारात्मक बनाते हैं। दरअसल, कोई साल अच्छा-बुरा नहीं होता, उसके दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियां उसकी दशा-दिशा तय करती हैं। यह हमारे विवेक और सजगता पर निर्भर करता है कि हम कैसे विषम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाते हैं। यह लंबी बहस का विषय रहा है कि एक जनवरी पश्चिमी देशों का नया साल है। यह भी कि उदास मौसम व रक्त जमाती सर्दी में नया साल मनाने का क्या औचित्य है? कहा जाता है कि भारतीय नववर्ष का आगमन उस समय होता है कि जब कुदरत मुस्करा रही होती। सर्दी की विदाई की वेला होती है और ग्रीष्म ऋतु दस्तक दे रही होती है। वृक्षों पर फल-फूल व खेतों में नयी फसल पकने की तैयारी हो रही होती है। लेकिन तसवीर का सकारात्मक पहलू यह है कि एक जनवरी का नववर्ष हमें कड़ाके की सर्दी और उदासी के मौसम में जीवंतता प्रदान करता है। लोग मौसम की तल्खी की परवाह किए बिना जमकर नये साल के उत्सवों में शिरकत करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़कर जीवंतता की ओर उन्मुख होते हैं। हो सकता है कि एक जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत के अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ी वजह रही हो क्योंकि पश्चिमी देशों में भारी बर्फबारी सामान्य जनजीवन को जमा देती है। इसके बावजूद लोग नये साल के जश्न में घरों से बाहर निकलते हैं। मकसद यही रहा होगा कि सर्दी को नजरअंदाज करके जीवन में उत्सव व उल्लास का संचरण हो सके। निस्संदेह, पर्व हमें उल्लासित करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़ते हैं। नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करते हैं। यही पर्वों की सार्थकता भी है।

निस्संदेह, भारत पर्व-त्योहारों का देश है। एक तरह से ये पर्व-त्योहार समाज में सेफ्टीवॉल का काम करते हैं। ऐसे समय में जब करोड़ों लोग मनोकायिक रोगों से जूझ रहे हैं, तो पर्व-त्योहार दवा का भी काम करते हैं। दरअसल, महानगरीय जीवन में व्यक्ति गंभीर रूप से आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। कालांतर वहां जीवन भी एकरसता में बदल जाता है। बिना सामाजिक सक्रियता के जीवन की जीवंतता संभव नहीं है। फिर नया साल हमें आत्ममंथन का एक अवसर भी देता है- बीते वर्ष के घटनाक्रम व उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और असफलताओं से सबक सीखकर आने वाले वर्ष के लिये नीतियां बनाने के लिये। बहुत संभव है कि हम अपने संकल्पों की कसौटी पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। लेकिन प्रयास किया जाना भी महत्वपूर्ण है। कुछ प्रतिशत तो हमारी कामयाबी होती है। लेकिन इसके बावजूद नये साल के जश्न में अराजक व्यवहार से हमें परहेज करना चाहिए। नशे का नासूर जिस तरह हमारे समाज में घातक असर दिखा रहा है, उससे बचने के उपक्रम तो किये ही जाने चाहिए। हमें शोभा नहीं देता है कि नये साल के जश्न में हम अराजक व्यवहार करके दूसरों के जीवन की शांति को भंग करें। अकसर नशे में तेज गति से दौड़ते वाहन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। नये साल का जश्न मनाने तमाम लोग पहाड़ों की ओर कूच करते हैं। जगह-जगह से सड़कें जाम होने और होटलों के फुल होने की खबरें आती हैं। हमारी कोशिश हो कि इन पर्यटन स्थलों पर स्थानीय लोगों और पर्यावरणीय चिंताओं का भी ध्यान रखें। हमारा व्यवहार सभ्य और मर्यादाओं के अनुरूप ही हो। उत्सव हमें अराजक व्यवहार का लाइसेंस नहीं देते। हमारे उल्लास व उत्सव मनाने का अधिकार किसी के निजी अधिकारों के अतिक्रमण की आजादी भी नहीं देता। वास्तव में हमें नये साल में अपने व परिवार की खुशियों के साथ देश व समाज की खुशियों के लिये भी संकल्प लेना चाहिए। सवाल यह भी कि बीत रहे साल के आखिरी दिन देर रात तक हुड़दंग करने के बाद हम नये साल के पहले दिन अलसायी सुबह लेकर क्यों उठते हैं। हमारे नये साल का पहला दिन सूर्योदय के साथ ऊर्जावान होना चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 2 दिसम्बर, गुरुवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, पौष शुक्लपक्ष तृतीया, 25:07 तक, नक्षत्र : श्रावण, 23:01 तक, योग : हरषाना, 14:51 तक, सूर्योदय: 6:17, सूर्यास्त: 17:04 चन्द्रोदय : 08:17, चन्द्रास्त: 19:28, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : मकर, राहू काल : 13:00 से 14:20

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपके लिए तरक्की के योग हैं। विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास के योग अच्छे हैं और आपको आर्थिक लाभ होगा।

वृष : वृषभ राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आप किसी प्रकार की नई योजना पर काम कर सकते हैं। यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा और आपको मनचाहा लाभ होगा।

कर्क : कर्क राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और मेहनत व लगन से आपका काम सफल होगा। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंह : सिंह राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा और आपका पूरा दिन बिजी रहेगा। छात्रों को पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कन्या : कन्या राशि के लोगों के लिए करियर में लाभ के योग हैं। आपको मनचाही सफलता हासिल होगी और आपका भाग्य भी साथ देगा। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए।

तुला : तुला राशि के लोगों के लिए करियर के मामले में दिन लाभ से भरा होगा और आपको रुके कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपके कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद सुलझ जाएंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। आर्थिक मामलों में आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु : धनु राशि के लोगों के लिए दिन सावधानी और सतर्कता से काम करने का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको लाभ होगा।

मकर : मकर राशि के लोगों का दिन सामान्य है और सब कुछ रोजाना की तरह होता रहेगा। साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा। अपने काम में सावधानी रखें, वरना कोई समस्या पैदा हो सकती है। खानपान में लापरवाही न बरतें।

मीन : आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। यदि आप किसी घर मकान की खरीदारी के बारे में सोच विचार कर रहे थे, तो आपको कुछ समय रुकना बेहतर रहेगा।

पवित्र, धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक प्रयागराज का कुम्भ

अशोक प्रवृद्ध

भारत में पवित्र नदियों के किनारे अवस्थित चार स्थानों - हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में कुम्भ (कुंभ) मेला का पवित्र आयोजन सदियों से होता रहा है। खगोलीय गणनानुसार यह मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चंद्रमा वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। यह समय आंतरिक रूप से आध्यात्मिक स्वच्छता और आत्मज्ञान के लिए शुभ अवधि का संकेत माना जाता है। हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक 12 वें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुम्भ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्द्धकुम्भ का आयोजन भी होता है। भारतीय संस्कृति में प्रयागराज में अव-स्थित गंगा, यमुना और पौराणिक गुप्त सरस्वती के संगम स्थल को अत्यंत पवित्र, धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक माना जाता रहा है। कुम्भ मेले के अवसर पर इस संगम स्थल में आयोजित होने वाले कुम्भ पर्व में करोड़ों श्रद्धालु एकत्र होते हैं और नदी में स्नान करते हैं, धार्मिक आयोजनों व आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। वर्ष 2013 का कुम्भ प्रयाग में हुआ था। फिर 2019 में प्रयाग में अर्द्धकुम्भ मेले का आयोजन हुआ था। अब 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयाग में महाकुम्भ का आयोजन होगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है।

ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। इसमें पूरे भारतीय उपमहाद्वीप से तीर्थयात्री आते थे। गुप्तकाल के शासकों ने प्रतिष्ठित धार्मिक मंडली के रूप में इसकी स्थिति को और अधिक महत्व प्रदान किया। मध्य काल में कुम्भ मेले को विभिन्न शाही राजवंशों से संरक्षण प्राप्त हुआ, जिनमें दक्षिण में चोल और विजयनगर साम्राज्य, उत्तर में दिल्ली सल्तनत, राजपूत व मुगल मुगल शासकों का संरक्षण मिला। कहा जाता है कि अकबर ने भी धार्मिक सहिष्णुता की भावना को दर्शाते हुए कुम्भ समारोहों में भाग लिया था। ब्रिटिश प्रशासकों ने इस उत्सव को देखकर इसके विशाल पैमाने और इसमें आने वाले लोगों के विविध सभाओं में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं वृहत संख्या को देख आश्चर्यचकित होकर इसका दस्तावेजीकरण किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आवागमन के साधनों के विकसित होने से महाकुम्भ मेले को और भी अधिक महत्व प्राप्त हुआ, जो राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यूनेस्को द्वारा 2017 में कुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है।

कुम्भ का शाब्दिक अर्थ घड़ा, सुराही, बर्तन है। पौराणिक ग्रंथों में इसका वर्णन जल अथवा अमरता अर्थात अमृत के लिए किया गया है। मेला शब्द का अर्थ है- किसी एक स्थान पर मिलना, एक साथ चलना, सभा में अथवा फिर विशेष रूप से सामुदायिक उत्सव में उपस्थित होना। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है -अमरत्व का मेला। ज्योतिष व खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रान्ति के होने वाले इस योग को कुम्भ स्नानयोग कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। यहाँ स्नान करना साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है। भारतीय संस्कृति व हिन्दू धर्म में कुम्भ का अत्यधिक महत्व माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं व ज्योतिषिय गणनानुसार कुम्भ का असाधारण महत्व बृहस्पति के कुम्भ राशि में प्रवेश तथा सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ जुड़ा है। ग्रहों की स्थिति हरिद्वार से बहती गंगा के किनारे पर स्थित हर की पौड़ी स्थान पर गंगा जल को औषधिकृत करती है तथा उन दिनों यह अमृतमय हो जाती है। यही कारण है कि अपनी अंतरात्मा की शुद्धि हेतु पवित्र स्नान करने लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से अर्ध कुम्भ के काल में ग्रहों की स्थिति एकाग्रता तथा ध्यान साधना के लिए उत्कृष्ट होती है। यही कारण है कि ऐसे अवसरों पर यहाँ अर्ध कुम्भ तथा कुम्भ मेले के लिए आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या सर्वाधिक होती है।

कुम्भ पर्वायोजन को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक सर्वाधिक मान्य कथा देवता व दानवों के सामूहिक प्रयत्न से संपादित समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुम्भ से अमृत बूँदें गिरने से संबंधित है। इस पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण इन्द्र और अन्य देवता श्रीहीन हो गए। देवताओं के कमजोर हो जाने पर दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हें सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के सलाह पर सभी देवता दैत्यों के साथ सन्धि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। उनके अथक प्रयास से उन्हें अमृत कलश प्राप्त हुआ, लेकिन अमृत कुम्भ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इन्द्रपुत्र जयन्त अमृतकलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के आदेशानुसार दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयन्त का पीछा किया। घोर परिश्रम के बाद दैत्यों ने बीच रास्ते में ही जयन्त को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देवता व दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा। इस परस्पर संघर्ष के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों -प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक में जयन्त ने कलश को रखा जहां कलश से अमृत की बूंदें छलक कर गिर पड़ीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शान्त करने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अन्त किया गया। कथा के अनुसार अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इसलिए कुम्भ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुम्भ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुम्भ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है। जिस समय में चन्द्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की वर्तमान राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र -सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय कुम्भ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ कुम्भ पर्व का आयोजन होता है। पृथ्वी पर होने वाले चार कुम्भ हैं- प्रथम उत्तराखंड की गंगा नदी पर हरिद्वार में, द्वितीय मध्यप्रदेश की शिप्रा नदी पर उज्जैन में, तृतीय महाराष्ट्र की गोदावरी नदी पर नासिक में और चतुर्थ उत्तर प्रदेश की गंगा यमुना और गुप्त सरस्वती नदियों के संगम पर। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अदृश्य स्वरूपिनी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी के कुम्भ को शक्तिशाली कहा गया है। मान्यतानुसार पृथ्वी के विशालतम मानव समागम के कुम्भ मेला में स्नान, दान और दर्शन से मनुष्य को जीवन के अनंत चक्र से मुक्ति मिल जाती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक बारह वर्ष में मानव मोक्ष के द्वार खुलते हैं। 2025 में बृहस्पति मेष राशि में और सूर्य, चंद्र मकर राशि पर अमावस्या तिथि पर आने के कारण उस समय प्रयागराज में कुम्भ का योग बनेगा। और प्रयागराज के गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम तट पर कुम्भ मेला आयोजित होगा। लाखों लोगों के द्वारा शांति पूर्ण ढंग से भागीदारी निभाने से सम्पन्न होने वाला यह रहस्यमय मेला कुम्भ कोई संगठित आयोजन नहीं, बल्कि एक स्वतः स्फूर्त, आंतरिक, प्राचीन और निरंतर घटना है। यह भारतीय उप-महाद्वीप का धार्मिक, सांस्कृतिक, पौराणिक और आर्थिक महत्व का विशालतम आयोजन है। इस आयोजन में मानव धार्मिक तीर्थ- आध्यात्मिक दर्शन करते हुए स्नान-दान, जीवन- मृत्यु के साथ मोक्ष को साक्षात साकार कर अपने को धन्य महसूस करता है।

बहुत याद आएंगे रेखाओं के बाणों से बींधने वाले 'काक'

श्रद्धांजलि:

घनश्याम बादल

साल 2025 की पहली खबर ही रचनात्मक दुनिया को एक मनहूस खबर के रूप में मिली। सुबह-सुबह पांच बजे ही सूरज की पहली किरण से पहले प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट 'काक' हम सबको पिछले 50 साल से भी ज्यादा अवधि में हंसाते हुए, हृदय आघात से दुनिया छोड़कर चले गए। वैसे काक उनका 'सिग्नेचर' नाम था। असली नाम था हरीश चंद्र शुक्ला। शायद हरिश्चंद्र शुक्ला नाम से उन्हें बहुत कम लोग जानते हों लेकिन उस जमाने में जब अखबार खबरों के सबसे बड़े माध्यम हुआ करते थे और अधिकांश पाठक अखबार पढ़ने की शुरुआत हैडलाइंस से करते थे, तब मैकेनिकल इंजीनियर की नौकरी करके भी लगातार धारदार कार्टून बनाकर दुनिया काक ने अपने मोटे ब्रश से बनाए गए कार्टून कोनों से इस परंपरा को बदलकर रख दिया।

देश के प्रमुख अखबारों में मुख्य पृष्ठ पर बाईं ओर एक कोने में केवल चार साढे चार इंच के बॉक्स में छपने वाला उनका कार्टून जागरूक पाठकों की पहली पसंद बन गया। अब अखबार जनसत्ता हो या नवभारत टाइम्स चौथी दुनिया हो या जागरण हर अखबार के संपादक की पहली पसंद होते थे काक के कार्टून।

काक काम के लिए अखबारों के प्रतिष्ठानों के पीछे नहीं भागे बल्कि प्रतिष्ठान उन्हें ससम्मान अपने यहां लेकर गए और पाठकों की मांग और उनकी लोकप्रियता को देखते हुए अधिकांश प्रतिष्ठानों में उनका रुतबा संपादकों से भी बड़ा बना रहा। लेकिन इस रुतबे का विनम्र स्वभाव के हरिश्चंद्र शुक्ला ने कभी फ़ायदा नहीं उठाया विनम्रता पूर्वक चुप रहकर कुछ इस तरीके से मोटी रेखाओं के रेखाचित्र बनाते रहते थे की मोटी से मोटी बुद्धि का पाठक भी उनके 'नज़रिए' या काक दृष्टि को समझ जाता था और उनके व्यंग्य की तीखी धार तथा व्यंग्य की मार को अंदर तक महसूस करता था।

काक के कार्टून और चित्रों ने भारतीय समाज के विभिन्न पहलुओं को बहुत सटीकता से चित्रित किया। 16 मार्च 1940 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के एक छोटे से गांव 'पुरा' में जन्मे पेशे से भूतपूर्व मैकेनिकल इंजीनियर कोक की पहले दृष्टि गजब की थी राजनीतिक आर्थिक सामाजिक या तकनीकी अथवा तीज त्यौहार सभी क्षेत्रों से वे अपने कार्टूनों की सामग्री इतने स्वाभाविक तरीके से ढूंढ आदि थे कि देखने वाला बस देखते ही रह जाता था। काक के पिता शोभा नाथ शुक्ला, एक स्वतंत्रता सेनानी और गंभीर स्वभाव के व्यक्ति थे मगर उनका बेटा हरिश्चंद्र शुक्ला व्यवस्थ-ाओं में एवं प्रशासन में अपनी पहली दृष्टि से ऐसे चित्र ढूंढ लता था की व्यक्ति मुस्कुराए बगैर नहीं रहता था।

काक के कार्टूनों के कार्टूनों में सेंस ऑफ ह्यूमर गजब का था और तीखे कटाक्ष में अद्भुत ताजगी थी। उनके कार्टूनों में रोज़ की राजनीतिक हलचलों का विश्लेषण बेहद सटीक था। हो सकता हैआज की पीढ़ी शायद काक से ज़्यादा परिचित न हो, लेकिन उनके कार्टूनों ने एक दौर में बड़ी पहचान बनाई।

काक हर दिल अजीज कार्टूनिस्ट ही नहीं अपितु बेहद संवेदनशील व्यक्ति भी थे। अपने पाठकों से उनका गहरा लगाव था। एक बार जब नवभारत टाइम्स में उनके कार्टून राजेंद्र माथुर के संपादन काल में प्रमुखता से छप रहे थे तब मैं हाई स्कूल या इंटरमीडिएट का छात्र था और उनके कार्टूनों का बहुत बड़ा मुरीद, मैंने बहुत ही मासूमियत भरे अंदाज में उनसे पत्र लिखकर पूछा था कि क्या मैं भी उनके 'बुढऊ' को बना सकता हूं तो उन्होंने कार्टून के जरिए ही इसका जवाब भी दिया था जिसमें उनका बुढऊ कहते हुए दिख रहा था मुझे तो कोई भी 'बना' सकता है।

फेसबुक पर भी जब मैं उनकी प्रोफाइल देखी तो उत्सुकतावश उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और उन्होंने सहृदयता पूर्वक मुझे अपनी मित्रता सूची में जोड़ लिया उसके बाद से इस आभासी मंच के माध्यम से उनसे लगातार संपर्क बना रहा। 83 वर्ष की उम्र में भी उनकी सक्रियता देखते ही बनती थी और करीब-करीब रोज ही एक नया कार्टून बनाकर अपने प्रोफाइल पर डाल देते थे। नव वर्ष की सुबह जब उनके निधन का समाचार उनके फेसबुक अकाउंट के माध्यम से ही मिला तो यक़ीन नहीं हुआ लेकिन यही जीवन का कटु यथार्थ है कि जो आया है उसे जाना ही पड़ेगा लेकिन व्यक्ति की पहचान उसके द्वारा जिए गए बरसों से नहीं बल्कि उसके द्वारा किए गए कार्यों से अधिक बनती है और बेशक एक कार्टूनिस्ट एवं कैरीकेचर बनाने वाले आर्टिस्ट के तौर पर आज भी काक के मुकाबले का रेखांकनकार दूसरा तो नजर नहीं आता।

अपने श्रेष्ठ एवं चुटीले कार्टूनों के लिए काक को अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। 2003 में उन्हें हिंदी अकादमी दिल्ली द्वारा काका हाथरसी सम्मान मिला तो केरल ललित कला अकादमी और केरल कार्टून अकादमी द्वारा भी सम्मानित किया गया। 2009 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्टूनिस्ट्स, बैंगलोर ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मान दिया। उसी साल कार्टून वॉच द्वारा आयोजित कार्टून फेस्टिवल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी काक को मिला। इसके बाद, 2016 में पत्रकारिता में उत्कृष्टता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, और 2017 में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया। बीच के कुछ वर्षों में क ने फ्रीलांसर रूप में कार्टून बनाएं जो प्रमुखता के साथ प्रकाशित हुए।

एक वक्त था जब जनसत्ता में तेज तर्र पत्रकारिता की नई पौध तैयार हो रही थी काक के कार्टून पहले पेज पर प्रकाशित हो रहे थे। काक इससे पहले दैनिक जागरण, धर्मयुग से लेकर दिनमान और शंकर वीकली में छप चुके थे, पर जनसत्ता में नियमित प्रकाशित बेबाक कार्टूनों से उन्हें देशव्यापी पहचान मिली। 1985 में उन्होंने जनसत्ता छोड़ नवभारत टाइम्स ज्वाइन कर लिया राजेंद्र माथुर एवं सुरेंद्र प्रताप सिंह के संपादकत्व में काक के कार्टून और भी तीखे होकर सामने आए। कोई भी नेता, अभिनेता, खिलाड़ी, पत्रकार, सेलिब्रिटी यह घटना अथवा आयोजन उनके निशाने से नहीं बचा उनकी काक दृष्टि उनके कार्टून कोने 'नज़रिया' में उसे समय शीर्ष पर थी।

यह वह समय था जब हिंदी अखबारों में युवा कार्टूनिस्ट अपनी महत्वपूर्ण जगह बनाने लगे थे। सुधीर तैलंग, इरफान, राजेन्द्र धोड़पकर से लेकर चंदर तक कार्टूनिस्टों की नई जमीन तैयार हो रही थी। आरके लक्ष्मण, सुधीर दर और सुशील कालरा तथा सुशील कुमार जैसे स्थापित कार्टूनिस्ट तो पहले से ही मौजूद थे बाद में हिंदी अखबारों के विशुद्ध व्यापारीकरण, उत्थान-पतन के साथ भटकाव, बिखराव, राजनीतिक दलों एवं नेताओं को खुश करने की नीतियां लाभ प्राप्त करने के लिए किसी भी हद तक चले जाने वाली खबरों ने कार्टूनिस्टों को सबसे बड़ा नुकसान पहुंचा शायद इसी माहौल को देखते हुए काक ने खुद को संस्थानों से अलग कर लिया मगर उनके अंदर का कार्टूनिस्ट कभी मरा नहीं।

अब काल का यथार्थ कुछ भी कहे, शरीर भले ही पाचतत्व में विलीन हो जाए मगर मुझ जैसे उनके मुरीद कभी भी यकीन नहीं करेंगे कि काक अब इस दुनिया में नहीं रहे। वास्तव में वे सदैव हमारे बीच रहेंगे, अपने बहुत ही लोकप्रिय आम आदमी के रेखाचित्र, धारदार वक्तव्य एवं शब्दों, अपनी विनम्रता, विद्वता और नई पीढ़ी को हर तरह का संरक्षण एवं स्नेह देने वाले काक कभी मर भी नहीं सकते उन्हें सादर श्रद्धांजलि।

व्यंग्य

भारत-नेपाल का वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

काठमांडू : भारत और नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' का 18वां संस्करण मंगलवार को शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को मजबूत करना और सहयोग को बढ़ावा देना है। पश्चिमी नेपाल के शिवालिक पर्वतमाला में सलझंडी के नेपाल आर्मी बैटल स्कूल में शुरू हुआ यह अभ्यास 13 जनवरी तक जारी रहेगा। यहां भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'इसका उद्देश्य ''मुख्य रूप से क्षेत्र में आतंकवाद रोधी (सीटी) अभियानों के अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है।' इसमें कहा गया, 'सूर्य किरण अभ्यास भारत और नेपाल के बीच मित्रता, विश्वास और साझा सैन्य संबंधों के मजबूत संबंधों को दर्शाता है।'

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान का कार्यकाल आरंभ

इस्लामाबाद : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान का दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी को शुरू हो गया। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने में एक सक्रिय और रचनात्मक भूमिका निभाएगा। अकरम ने सरकारी समाचार एजेंसी एपीपी (एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान) से कहा, सुरक्षा परिषद में हमारी उपस्थिति महसूस की जाएगी। पाकिस्तान 2025-26 में सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रहेगा। पाकिस्तान को आठवीं बार 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता मिली है। जून में पाकिस्तान को भारी बहुमत से अस्थायी सदस्य चुना गया था। 193 सदस्यीय महासभा में पाकिस्तान को 182 वोट मिले थे, जो आवश्यक 124 वोटों से कहीं अधिक थे। अकरम ने कहा, हम ऐसे समय में परिषद के सदस्य बन रहे हैं जब भू-राजनीतिक उथल-पुथल, दो सबसे बड़ी शक्तियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा, यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अन्य स्थानों पर भीषण युद्ध तथा तेजी से बढ़ती बहुआयामी हथियारों की दौड़ जारी है। पाकिस्तान इससे पहले 2012-13, 2003-04, 1993-94, 1983-84, 1976-77, 1968-69 और 1952-53 में सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रह चुका है।

वर्ग पहेली नं. 2963

ऊपर से नीचे:- 1) शादी, 2) फल के अंदर का कोमल खाद्य अंश, 3) तिलक, 4) लाख, 5) अचानक, 6) सीलन, 7) विष्णु, 10) कमल, 12) व्यापार, 13) भीतर का, 15) मिट्टी का बरतन जिसमें हुक्का रखकर तम्बाकू पीते हैं, 16) आंशिक; अपूर्णकृत, 20) रजामंदी; अनुमोदन, 21) अपरिवर्तित, 23) क्षतिपूर्ति, 24) पर्वत, 25) आशंका. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) तरीका; प्रणाली; *रैसिपी*; क़ानून, 3) एक नदी, 6) गायब, 8) लम्हाती; पल दो पल का, 9) अधम; दुराचारी; अवैध *(संतान)*, 11) एक देवांगना, 13) भाग; शेयर, 14) पुलकित, 16) उदासी; निरुत्साह, 17) पिता; दादा; संन्यासी; साधु, 18) प्रचलित, 19) रसयुक्त, 22) ठगाई; बटमारी, 25) एक कंद, 26) गैरजरूरी, 27) एशिया का एक बौद्ध धर्मीय क्षेत्र जिसकी भूमि मुख्यतः उच्च पठारी है और जिसपर चीनी जनवादी गणराज्य का अधिकार है.

पिछली पहेली का उत्तर

नि	■	ज	ल	सा	■	ह	रि	या	णा
र	■	र्ज	■	फ़ा	स	ला	■	च	■
प	धा	र	ना	■	ब	ह	क	ना	■
रा	■	■	दा	ढ़ी	■	ल	त	■	आ
ध	न	वा	न	■	ठो	■	वा	र्षि	क
■	ती	■	■	ख़ा	स	क	र	■	र्ष
■	जा	य	फ	ल	■	गा	■	■	क
घू	■	की	■	सा	ब	र	म	ती	■
स	मा	न	ता	■	ड्डा	■	सा	र्थ	क

सुडोकू-पहेली-2923

					6		8	1
4				3				
			7	4		3		
	1							
						2		
3						4	7	
			1		8			5
2								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2922 का उत्तर

3	8	9	7	6	4	2	5	1
4	7	2	8	1	5	9	3	6
1	5	6	9	3	2	4	7	8
8	9	7	6	2	1	3	4	5
6	3	1	4	5	9	8	2	7
5	2	4	3	7	8	1	6	9
9	1	5	2	4	6	7	8	3
7	4	8	5	9	3	6	1	2
2	6	3	1	8	7	5	9	4

नव वर्ष पर देव स्थलों सहित दर्शनीय जगहों पर उमड़ी भारी भीड़

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सहित महानगर कोलकाता में नव वर्ष 2025 के प्रथम दिन पर्यटनस्थलों से लेकर देव मंदिरों में भीड़ का रेला देखा गया। रेस्टोरेंट, पब, बार, मॉल्स में भी भीड़ रही। विक्टोरिया, निक्को पार्क, इको पार्क, अलीपुर चिड़ियाखाना, इंडियन म्यूजियम समेत अन्य स्थानों पर काफी संख्या में लोग उमड़े। ना केवल पर्यटन स्थलों, बल्कि 31 दिसम्बर की रात पार्टी के लिए भी विभिन्न रेस्टोरेंट, पब, बार व डिस्को में लोगों की भारी भीड़ देखी गयी। वहीं, कालीघाट काली मंदिर से लेकर विभिन्न मंदिर सहित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर जगह उत्सव का माहौल बना रहा। नए साल के इस खास मौके पर लोग न केवल धार्मिक स्थलों पर गए बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और परिवार व दोस्तों के साथ बाहर खाने का आनंद भी लिया। वहीं, कोलकाता के पास काशीपुर मठ में 'कल्पतरु उत्सव' ने नए साल के उत्सव को आध्यात्मिक रंग दिया। यह उत्सव एक जनवरी 1886 की उस घटना की याद में मनाया जाता है, जब रामकृष्ण परमहंस के अनुयायियों ने उन्हें 'अवतार' के रूप में प्रकट होते देखा था। मठ के एक संत ने बताया कि करीब एक लाख श्रद्धालु काशीपुर मठ पहुंचे और कल्पतरु उत्सव में भाग लिया। उन्हें महाप्रसाद भी वितरित किया गया। इसी तरह, शक्तिपीठ कालीघाट मंदिर, दक्षिणेश्वर काली मंदिर में भी लाखों श्रद्धालु नए साल की शुरुआत के लिए आशीर्वाद लेने पहुंचे। बीरभूम जिले के तारापीठ मंदिर में भी भारी भीड़ देखने को मिली, जहां भक्त नए साल की शुरुआत आध्यात्मिक आशीर्वाद के साथ करना चाहते थे। हुगली जिले के बांसबेडिया में स्थित हंसेश्वरी मंदिर में अंग्रेजी नव वर्ष के पहले दिन भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान, मंदिर में विदेशी सैलानियों को भी देखा गया।

कल्पतरु उत्सव में दक्षिणेश्वर, काशीपुर, बेलूड़ मठ उद्यानबाटी में उमड़ी भक्तों की भीड़

नव वर्ष की शुरुआत के साथ ही पश्चिम बंगाल में आध्यात्मिकता और श्रद्धा का संगम देखने को मिला। देश-विदेश से हजारों भक्त रामकृष्ण मिशन से जुड़े स्थलों पर पहुंचे, जहां श्रद्धा और भक्ति के साथ कल्पतरु उत्सव मनाया गया। इस उत्सव का मुख्य केंद्र कोलकाता के काशीपुर स्थित उद्यानबाटी रहा, जहां महान संत रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन के अंतिम समय बिताए थे। काशीपुर उद्यानबाटी के अलावा बेलूर मठ, गोलपार्क रामकृष्ण मिशन, और दक्षिणेश्वर काली मंदिर समेत अन्य स्थलों पर भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालु यहां पूजा-पाठ कर अपने जीवन की मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। राज्य भर में रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और मां शारदा से जुड़े सभी तीर्थस्थलों पर इस उत्सव का आयोजन किया गया। भक्तगण अपने आराध्य के प्रति समर्पण भाव व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए।

राज्य के सीईओ के चयन में असमंजस, कार्यवाहक के रूप में दिव्येंदु दास को कार्यभार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पद पर अभी तक स्थायी नियुक्ति नहीं हो पाई है। आरिज अफताब के हाल ही में सेवानिवृत्त होने के बाद वरिष्ठ अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी दिव्येंदु दास को कार्यवाहक सीईओ के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि अफताब, जो 1991 बैच के आईएएस अधिकारी थे, मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। पश्चिम बंगाल सीईओ कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि दिव्येंदु दास, जो राज्य के वरिष्ठतम अतिरिक्त सीईओ हैं और पहले भी कार्यवाहक सीईओ के रूप में काम कर चुके हैं, को अस्थायी रूप से यह जिम्मेदारी दी गई है। स्थायी सीईओ के चयन में असमंजस की स्थिति बनी हुई है क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने अभी तक राज्य कैडर के आईएएस अधिकारियों की सूची चुनाव आयोग (ईसीआई) को नहीं भेजी है। नियमानुसार, ईसीआई को राज्य सरकार द्वारा भेजे गए अधिकारियों के पैनल से एक नाम चुनना होता है। अधिकारियों का कहना है कि यह एक असामान्य स्थिति है क्योंकि आमतौर पर निवर्तमान सीईओ की सेवानिवृत्ति से पहले ही पैनल भेज दिया जाता है। अब यह ईसीआई पर निर्भर करता है कि वह राज्य सरकार द्वारा सूची भेजे जाने का इंतजार करेगा या मुख्य सचिव मनोज पंत को तत्काल कार्रवाई के लिए कहेगा।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत पार्किंग लॉटों के संचालन हेतु संविदा की सुपुर्दगी

सं. सीओएम/ई-ऑक्शन/एचडब्ल्यूएच/2024 दिनांकः 31.12.2024

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चौथी मंजिल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के निकट, पिन-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में 03 वर्षों की अवधि के लिए पार्किंग लॉटों के संचालन हेतु संविदा की सुपुर्दगी। अधिक विवरण एवं ई-नीलामी में भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए **ई-नीलामी लीजिंग** प्रारूप देखें। **सूचीपत्र सं.: पीएआरके-एचडब्ल्यूएच-डीसीसी-12, नीलामी शुरू होने की तारीख/समयः** 14.01.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। **क्रमांक एवं लॉट नं.: स्टेशन के नाम** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **(1)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-बीसीजीएम-आरडब्ल्यू-269-24-1 (पार्किंग-तीन पहिया वाहन); बैंचीग्राम। **(2)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-बीओआई-एमएक्स-271-24-1 (पार्किंग-मिश्रित वाहन); बैंची। **(3)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-डीबीपी-एमएक्स-268-24-1 (पार्किंग-मिश्रित वाहन); देबीपुर। **(4)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-बीओआई-एमएक्स-270-24-1 (पार्किंग-मिश्रित वाहन); बैंची। **(5)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-टीडब्ल्यू-272-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); नवद्वीप धाम। **(6)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-टीआईडी-टीडब्ल्यू-105-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); टेंया। **(7)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-सीओआर-टीडब्ल्यू-183-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); चंदननगर। **(8)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एडीएसटी-टीडब्ल्यू-266-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); आदिसप्तग्राम। **(9)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एनकेएल-टीडब्ल्यू-151-24-2 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); नालीकुल। **(10)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-डीएनएचएल-टीडब्ल्यू-118-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); धनियाखाली हॉल्ट। **(11)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-सीएनएस-टीडब्ल्यू-267-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); चुचुड़ा। **(12)** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-टीकेपीएच-टीडब्ल्यू-177-24-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); टाकीपुर हॉल्ट।

(HWH-515/2024-25) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा**

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गडकरी ने बंगाल में राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए मुख्यमंत्री ममता से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पश्चिम बंगाल में 20 प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में मदद के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दों के कारण इन परियोजनाओं में 'काफी विलंब' हो रहा है। उन्होंने बताया कि नौ परियोजनाएं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) चरण में हैं, जबकि 8,003.14 करोड़ रुपये की लागत वाली 11 परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। गडकरी ने पत्र में लिखा कि भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए जिला अधिकारियों के अनुमोदन के लंबित होने के कारण परियोजनाओं में विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं आपका आभारी रहूंगा यदि आप संबंधित भूमि राजस्व, वन और अन्य प्राधिकारियों को समय पर सभी आवश्यक मंजूरी प्रदान करने का निर्देश दे सकें, जिससे बिना किसी अनावश्यक देरी के परियोजना का सुचारू कार्यान्वयन हो सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि मुख्य सचिव हर महीने सभी हितधारकों को शामिल करते हुए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करें तो परियोजनाओं को गति मिल सकती है। गडकरी ने कहा कि मैं आपसे यह भी अनुरोध करता हूं कि आप मुख्य सचिव को मेरे मंत्रालय और एनएचएआई के प्रतिनिधियों समेत सभी हितधारकों के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने की सलाह दें। इस नियमित बैठक से लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान संभव होगा।

बंगाल के तीन पर्यटन केंद्रों पर आत्मघाती हमले की थी साजिश

विध्वंसक कार्रवाईयों को अंजाम देने के लिए आतंकियों ने बांग्लादेश में की थी बैंठक

❑ **मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार आतंकी साजिबुल इस्लाम ने पूछताछ में पुलिस को दी जानकारी**

कोलकाता, समाज्ञा : नए साल की शुरुआत में आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) ने मुर्शिदाबाद व मालदह में हजारदुआरी समेत तीन पर्यटन केंद्रों पर आत्मघाती हमला करने की साजिश रची थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पिछले दिनों राज्य के मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार एबीटी के सदस्य साजिबुल इस्लाम से पूछताछ में ऐसी जानकारी मिली है। असम पुलिस ने इस संबंध में बंगाल पुलिस को मामले की जानकारी दी है। पूछताछ में साजिबुल ने बताया कि इस सिलसिले में केरल से गिरफ्तार एबीटी के सदस्य शब शेख की पिछले अक्टूबर में बांग्लादेश के चपैनवाबगंज जिले में भारत के पास एक सीमावर्ती गांव में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी के साथ बैठक हुई थी। बैठक में साजिबुल के साथ आंतकी अब्बास अली भी मौजूद था। यहीं पर हमले की जिम्मेदारी बांटी गई थी। जिरह में साजिबुल ने कहा कि उसे महिलाओं के बीच अंसारुल्लाह बांग्ला टीम का प्रभाव फैलाने व उत्तर पूर्व भारत में आतंकी गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक धन इकट्ठा करने का काम सौंपा गया था।

❑ **जेएमबी के स्लीपर सेल के सदस्य के रूप में करते थे काम**

साजिबुल इस्लाम व मुस्तकीन मंडल ने पुलिस की पूछताछ में स्वीकार किया है कि उन्होंने कुछ वर्ष पहले जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के स्लीपर सेल के सदस्य के रूप में काम शुरू किया था। वे ब्रेनवाश कर स्थानीय युवाओं को संगठन में भर्ती करते थे। बाद में दोनों आतंकियों ने एबीटी के लिए काम करना शुरू किया। दरअसल, एबीटी आतंकी संगठन जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश द्वारा तैयार की गई जमीन के सहारे ही आगे बढ़ रहा है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसजी.टेंडर/डीएसटीई/एसडीएच/525, दिनांक 31.12.2024; सीनि. डीएसटीई, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **ई-निविदा सं. डीएसटीई/टेली/टी/21/24-25/आरआरएसके; कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** सियालदह मंडल के तहत विभिन्न हेल्थ यूनिटों में रेलनेट के प्रावधान तथा विभिन्न फील्ड कार्यालयों तथा यूनिटों में ई-कार्यालय के सुगम संचालन के लिए भी डेटा नेटवर्किंग बैकबोन सिस्टम का प्रावधान एवं मजबूतीकरण। **निविदा मूल्यः** रु. 4,98,98,070.59; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षाः** रु. 3,99,500; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** 09 महीने। **निविदा जमा शुरू होने की तारीखः** 13.01.2025; **निविदा जमा करने की अंतिम तारीखः** 27.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तारीखः** 27.01.2025 को अपराह्न 2.30 बजे। विस्तृत विवरणः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **पात्रता के तकनीकी मानदंडः** निविदादाताओं द्वारा पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निविदा आमंत्रित किए जाने वाले माह से पहले महीने के अंतिम दिन तक, नीचे उल्लेखित श्रेणियों में से किसी भी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा अथवा काफी हद तक सम्पन्न किया होना चाहिएः (i) समतुल्य प्रकृति के तीन कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (ii) समतुल्य प्रकृति के दो कार्य, प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए अथवा (iii) समतुल्य प्रकृति का एक कार्य, जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की बराबर रकम से कम नहीं होनी चाहिए। **पात्रता के वित्तीय मानदंडः** निविदादाता द्वारा वी/एन अथवा 'वी' जो कम हो का न्यूनतम औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार किया होना चाहिए, जहां वी=निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, एन=कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोली आमंत्रित की गई है। औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्त वर्षों में "कुल अनुबंधकीय भुगतान" के औसत के रूप में किया जाएगा। हालांकि, पिछले वर्ष के तुलन पत्र के तैयार होना/लेखा परीक्षण होना बाकी रहने की स्थिति में औसत वार्षिक अनुबंधकीय कारोबार की गणना के लिए पिछले चौथे वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र पर विचार किया जाएगा। निविदादाताओं को जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-VIबी (इस निविदा दस्तावेज का प्रपत्र-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा भलीभांति सत्यापित लेखा परीक्षित तुलनपत्र/लेखा परीक्षित तुलन पत्र के साथ भलीभांति समर्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणपत्र जमा करना होगा। **जमा किए जाने वाले अन्य दस्तावेजः** जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेखित है। **समतुल्य प्रकृति का कार्यः** इस निविदा कार्य के लिए एमआईएस/एलएएन/डब्ल्यूएएन/हेल्पलाइन/यूटीएस/पीआरएस/एफओआईएस/मूल्य वर्द्धित प्रणाली/वीडियो पूछताछ प्रणाली/डेटा कनेक्टिविटी/डेटाकॉम उपकरण/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/वायरलेस कम्युनिकेशन/सिक्योर्ड कम्युनिकेशन/वाई-फाई/टेलीकॉम कार्य जिसमें कम्प्यूटर आधारित पूछताछ प्रणाली शामिल है युक्त कोई भी दूरसंचार कार्य को समतुल्य प्रकृति का कार्य माना जाएगा। **टिप्पणीः** निविदादाता को निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा दस्तावेज में यथा उल्लेखित पात्रता के मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने होंगे। निविदादाता द्वारा अनुशंसापत्रों के समर्थन में जमा किए गए दस्तावेज/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियों के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता अथवा निविदाकारी प्रतिष्ठान के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं सत्यापित/डिजिटली हस्ताक्षर होना चाहिए। स्वयं सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर तथा तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होना चाहिए।

(SDAH-299/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आसनसोल मंडल के तहत विकास संबंधी कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

आसनसोल मंडल की झाझा–सीतारामपुर शाखा में फुट ओवरब्रिज को हटाने, सीमित ऊँचाई के सबवे और फुट ओवरब्रिज को स्थापित करने के लिए, दिनांक 05.01.2025 **(रविवार)** को **पावर और ट्रैफिक ब्लॉक** की आवश्यकता होगी। इसके फलस्वरूप, ट्रेन आवागमन में निम्नलिखित व्यवस्था की गई है: ● **दिनांक** 04.01.2025 **को पैसेंजर (मेमू) रद्द रहेगी:** 63571 जसीडीह–मोकामा मेमू। ● **दिनांक** 05.01.2025 **को पैसेंजर (मेमू) रद्द रहेंगी:** (1) 63562 बैद्यनाथ धाम–आसनसोल मेमू, (2) 63298 झाझा–देवघर मेमू, (3) 63209 देवघर–पटना मेमू, (4) 63572 मोकामा–जसीडीह मेमू, (5) 63561 आसनसोल–जसीडीह मेमू, (6) 63570 बैद्यनाथ धाम–आसनसोल मेमू, (7) 63545 अंडाल–जसीडीह मेमू, (8) 63546 जसीडीह–अंडाल मेमू, (9) 63565 जसीडीह–झाझा मेमू, (10) 63566 झाझा–जसीडीह मेमू, (11) 63573 जसीडीह–किऊल मेमू और (12) 63574 किऊल–जसीडीह मेमू। ● **मेल/एक्सप्रेस रद्द रहेगी:** 13319 दुमका–राँची इंटरसिटी एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 05.01.2025)। ● **संक्षिप्त यात्रा समाप्त / संक्षिप्त यात्रा शुरू : पैसेंजर/मेमू:** 63509/10 बर्द्धमान–झाझा–बर्द्धमान मेमू (यात्रा शुरू दिनांक 05.01.2025) आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त/से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी। **मेल/एक्सप्रेस: (1) 17321 वास्को–द–गामा–जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 03.01.2025) चित्तरंजन में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी। **(2) 18183/84 टाटानगर – बक्सर – टाटानगर एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 05.01.2025) आसनसोल और बक्सर के बीच सेवा रद्द करते हुए आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त/से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी । ● **ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन: (1) 12304 नई दिल्ली – हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.01.2025) पंडित दीन दयाल उपाध्याय – धनबाद – सीतारामपुर होकर मार्ग परिवर्तित करेगी, **(2) 12326 नंगल डैम – कोलकाता गुरुमुखी सुपर फास्ट एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.01.2025) पंडित दीन दयाल उपाध्याय – धनबाद होकर मार्ग परिवर्तित करेगी, **(3) 13044 रक्सौल – हावड़ा एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.01.2025) किऊल – रामपुरहाट – बर्द्धमान होकर मार्ग परिवर्तित करेगी, **(4) 13331/32 धनबाद – पटना – धनबाद इंटर सिटी एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 05.01.2025) दोनों दिशाओं में गया होकर मार्ग परिवर्तित करेगी और **(5) 13508 गोरखपुर – आसनसोल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 04.01.2025) किऊल – रामपुरहाट – सीतारामपुर – अंडाल – आसनसोल होकर मार्ग परिवर्तित करेगी। ● **दिनांक 05.01.2025 को पुनर्निर्धारण: (1) 12317 कोलकाता – अमृतसर अकाल तख्त एक्सप्रेस** 2 घंटे 10 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(2) 22197 कोलकाता – वीजीएल झांसी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक्सप्रेस** 1 घंटे 30 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(3) 22500 वाराणसी – देवघर वंदे भारत एक्सप्रेस** 40 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(4) 22499 देवघर – वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस** 40 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(5) 17006 रक्सौल – हैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस** 1 घंटे 20 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(6) 22348 पटना – हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस** 2 घंटे 50 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(7) 22347 हावड़ा – पटना वंदे भारत एक्सप्रेस** 2 घंटे 50 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी, **(8) 02024 पटना–हावड़ा स्पेशल** 5 घंटे 20 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी और **(9) 02023 हावड़ा–पटना स्पेशल** 5 घंटे 20 मिनट के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अभिषेक बनर्जी ने उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ आगे देखने का किया आह्वान

✒ **तृणमूल महासचिव के नए साल के संदेश में तृणमूल व ममता का नहीं किया जिक्र**

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को अपने नए साल के संदेश में अपनी पार्टी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार का कोई जिक्र नहीं किया। इसको लेकर बंगाल के राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि काफी समय से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के भीतर नए बनाम पुराने के मुद्दे पर विवाद की खबरें सामने आ रही है। नए साल के संदेश में मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक द्वारा कही गई बातें महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्होंने उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ आगे देखने का आह्वान किया है, लेकिन राज्य और राष्ट्रीय राजनीति का कोई सीधा संदर्भ नहीं दिया। अपने शुभकामना संदेश में अभिषेक ने कहा कि जैसा कि हम 2025 का स्वागत करते हैं, हमें उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ आगे देखना चाहिए। प्रत्येक नया साल नए सिरे से शुरुआत करने, साहस, करुणा और उद्देश्य से निर्देशित मार्ग तैयार करने का अवसर लेकर आता है। अपने संदेश में उन्होंने चुनौतियों से ऊपर उठने, सद्भाव को बढ़ावा देने और सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा भी मांगी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमें चुनौतियों से ऊपर उठने, सद्भाव को बढ़ावा देने और सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में हाथ से हाथ मिलाकर काम करने के लिए प्रेरित करे। यह सार्थक प्रगति, साझा खुशी और प्रचुर अवसरों से भरा एक साल है। आप सभी को 2025 की खुशहाल और समृद्ध नव वर्ष की शुभकामनाएं!

फर्जी पासपोर्ट रैकेट : जांच के घेरे में कोलकाता पुलिस के दो कर्मी

फर्जी दस्तावेज जमाकर आवेदन देने के बावजूद ठीक से सत्यापन नहीं करने का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी पासपोर्ट बनाने के मामले में इस बार कोलकाता पुलिस के दो कर्मी जांचकर्ताओं के घेरे में हैं। आरोप है कि दोनों पुलिस कर्मियों ने पासपोर्ट बनवाने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा कर आवेदन देने के बावजूद उसका ठीक से सत्यापन नहीं किया। उनमें से एक पुलिस कर्मी ने दूसरे के लिए काम भी किया है। जांचकर्ताओं ने इन पुलिसकर्मियों से पूछताछ की है। बता दें कि फर्जी पासपोर्ट रैकेट के राजफाश के बाद बंगाल पुलिस सवालों के घेरे में है। नियमित सत्यापन प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस बात पर चिंता जताई गई है कि क्या सत्यापन का काम करने वाले पुलिस अधिकारी पासपोर्ट आ-वेदकों के घरों पर गए थे। कथित तौर पर कई पुलिस अधिकारियों ने आवेदकों को पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के लिए पुलिस थाने में बुलाया, जो नियमों का उल्लंघन है। यह मुद्दा तब प्रमुखता से उठा, जब मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली कोलकाता की एक अदालत ने जांच अधिकारियों को संबंधित पुलिस थाने में इसकी जांच करने का निर्देश दिया।

❑ **एक प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका की हो रही जांच**

पुलिस ने कहा कि वह इस मामले में उत्तर 24 परगना के एक प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है। वह इस फर्जी पासपोर्ट गिरोह के मुख्य सरगना के संपर्क में था। उसका सीमावर्ती इलाके में कारोबार है। वह बांग्लादेश से आए घुसपैठियों को सुरक्षित पनाह देता था।

पुलिस ने चकदह से एक और व्यक्ति को किया गिरफ्तार

कोलकाता पुलिस ने नदिया जिले के मदनपुर से पासपोर्ट जालसाजी मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम धीरेंद्र घोष (48) के रूप में हुई है। वह नदिया के चाकदह थाना क्षेत्र में मदनपुर में किराए के मकान में रह रहा था। कोलकाता पुलिस ने पहले इस मामले के मुख्य आरोपी मनोज गुप्ता को गिरफ्तार किया था। उसकी पूछताछ के आधार पर धीरेंद्र की जानकारी मिली। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार की रात को मदनपुर में छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए। धीरेंद्र को बुधवार को अलीपुर अदालत में पेश किया गया। धीरेंद्र की गिरफ्तारी इस मामले में आठवीं गिरफ्तारी है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बांग्लादेश की अदालत में आज रवींद्र घोष के जूनियर करेंगे चिन्मय दास का प्रतिनिधित्व

चिन्मय कृष्ण दास के वकील अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में जेल में बंद इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास के वकील रवींद्र घोष को गंभीर स्वास्थ्य समस्या के चलते कोलकाता के एसएसकेएम अस्प-ताल में भर्ती कराया गया है। 88 वर्षीय रवींद्र घोष को मंगलवार की रात सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया। पता चला है कि रवींद्र घोष दो सप्ताह पहले इलाज के मकसद से भारत आए थे और बारासात स्थित अपने बेटे के घर पर ठहरे हुए थे। बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण का केस लड़ते हुए उन्हें शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया था कि चटगांव अदालत में कुछ वकीलों ने उनके साथ आतंकवादी जैसा व्यवहार किया। इससे आहत होकर उन्होंने कोलकाता में इलाज कराने का निर्णय लिया। रवींद्र घोष के बीमार होने और अस्पताल में भर्ती होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि वे दो जनवरी को चटगांव अदालत में चिन्मय कृष्ण की जमानत याचिका के लिए उपस्थित हो पाएंगे या नहीं। यह भी चर्चा है कि यदि वे बांग्लादेश लौटते हैं तो उन्हें अंतरिम सरकार की पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। इसके पीछे मकसद चिन्मय कृष्ण को और अधिक समय तक जेल में रखना बताया जा रहा है। गुरुवार को बांग्लादेश की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास की पैरवी रवींद्र घोष की जगह उनके दो जूनियर वकील और 18 अन्य कानूनी प्रतिनिधि करेंगे। घोष ने कहा कि वह अपने जूनियर वकीलों के साथ लगातार संपर्क में हैं और केस लडऩे के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस्कॉन कोलकाता को जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय दास को न्याय मिलने की उम्मीद

इस्कॉन कोलकाता ने बुधवार को उम्मीद जताई कि जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को आज होने वाली अदालती सुनवाई में न्याय मिलेगा। इस दिन, अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि संगठन 2025 के पहले दिन बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए प्रार्थना करेगा, जैसा कि वे पिछले एक महीने से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि न्याय पाने के लिए न्यूनतम आवश्यकता कानूनी प्रणाली का समुचित ढंग से काम करना है। दास ने कहा कि पिछली दो सुनवाई में हमने देखा कि उनके वकीलों को उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई और हमें उम्मीद है कि कल उनके वकील उनका प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता ने कहा कि यदि कुछ वकीलों द्वारा अदालत में चिन्मय दास का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी भी अधिवक्ता की पिटाई करने की स्थिति फिर बने तो बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को उचित कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम पिछले एक महीने से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और ऐसा करना जारी रखेंगे।

तीन करोड़ रुपये की पाठ्यपुस्तकों की चोरी के मामले की सीबीआई जांच की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर दिनाजपुर में स्कूलों के सब इंस्पेक्टर (एसआई) कार्यालय से पाठ्यपुस्तकों की चोरी के मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। बता दें कि दो साल पहले उत्तर दिनाजपुर के इस्लामपुर में स्कूलों के एसआई कार्यालय से दो लाख किताबें चोरी हो गई थीं जिसकी कीमत तीन करोड़ रुपये आंकी गई थी। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार को मामले की सुनवाई होगी। दरअसल, ग्रामीण इस मामले में पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं हैं। उनका सवाल है कि दो साल बीत गए, अब तक पुलिस की जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है। दो दिसंबर, 2022 को एसआइ ने इस्लामपुर थाने में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया था। हालांकि कुछ दिन बाद इन्हें जमानत मिल गई। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने किताब चोरी की घटना की ठीक से जांच नहीं की। जांच में कोई प्रगति नहीं हुई। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया था उनमें से कोई भी मुख्य आरोपित नहीं था। असली अपराधी को छुपाने के लिए पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। सुबूतों के अभाव में उन्हें रिहा कर दिया गया। बताते चलें कि स्कूली छात्रों के लिए किताबें राज्य शिक्षा विभाग से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय तक जाती हैं। वहां से किताबें एसआइ कार्यालय भेजी जाती हैं। जिले के प्राथमिक विद्यालय उस कार्यालय से किताबें एकत्र करते हैं। इसके बाद इसे छात्रों के बीच मुफ्त में बांटा जाता है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL | EDUCATION | OBITUARY
PROPERTY | NAME CHANGE | REMEMBRANCE
RECRUITMENT | PUBLIC NOTICE | DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बांग्लादेश में उथल-पुथल से भाजपा के सदस्यता अभियान को मिला बल

बंगाल में एक करोड़ नए सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है भाजपा

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के चलते भाजपा की बंगाल इकाई के सदस्यता अभियान को बल मिला है, जब पार्टी राज्य में एक करोड़ नए सदस्य बनाने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। सीमा के उस ओर अल्पसंख्यक समुदाय पर हमलों ने भाजपा को ऐसे समय में लोगों का समर्थन हासिल करने का मौका प्रदान किया है, जब वह राज्य में संगठनात्मक खामियां, आंतरिक कलह और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राजनीतिक प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करना चाहती है। टीएमसी और भाजपा दोनों ही 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक विमर्श को आकार देने के लिए बांग्लादेश मुद्दे का इस्तेमाल कर रही हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति में हिंदू अल्पसंख्यकों को नुकसान उठाना पड़ा है। वहां उथल-पुथल से यहां पार्टी के सदस्यता अभियान में तेजी आई है क्योंकि लोग भाजपा को स्थिरता सुनिश्चित करने में एकमात्र सक्षम पार्टी के रूप में देखते हैं और तृणमूल कांग्रेस के शासन में इसी तरह की घटनाओं को लेकर भयभीत हैं, जिसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए

जाना जाता है। प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेताओं ने पिछले एक महीने से बंगाल में आक्रामक तरीके से अभियान चलाया हुआ है, जिसका मुख्य जोर बांग्लादेश में हिंदुओं की दुर्दशा है। उन्होंने टीएमसी पर वोट बैंक की राजनीति के तहत जिहादियों और कट्टरपंथियों को पनाह देने का आरोप लगाया है।

विधानसभा विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने रैलियों में कहा, बंगाल का भविष्य टीएमसी शासन के तहत दांव पर है। अगर हम टीएमसी को तुष्टीकरण की राजनीति जारी रखने देते हैं, तो हम उसी संकट को आमंत्रित कर रहे हैं जो हम बांग्लादेश में देख रहे हैं। भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो हमारे लोगों को सही मायने में सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और हिंदू समुदाय की सुरक्षा पर केंद्रित ये जोशीले भाषण पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने और सदस्यता अभियान को गति देने के उद्देश्य से दिए गए हैं। इन भाषणों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, क्योंकि युवा बड़ी संख्या में सदस्यता ले रहे हैं, खासकर सीमावर्ती जिलों में। भाजपा टीएमसी पर सीमापार सताए गए हिंदुओं की पीड़ा को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रही है।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले सीधे तौर पर बंगाल को प्रभावित करते हैं'

पुरुलिया से भाजपा सांसद एवं प्रदेश महासचिव ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले सीधे तौर पर बंगाल को प्रभावित करते हैं। बंगाल में हिंदू जानते हैं कि जब तक भाजपा यहां है, वे सुरक्षित हैं, क्योंकि टीएमसी के भरोसे रहने पर उनका भी बांग्लादेश जैसा ही हश्र होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 27 अक्टूबर को कोलकाता के अपने दौरे में बंगाल में सदस्यता अभियान की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने एक करोड़ नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखा था, जिसका उद्देश्य बंगाल में भाजपा के संगठनात्मक आधार को मजबूत करना है। हालांकि, पार्टी अभी लक्ष्य से काफी दूर है, दिसंबर के आखिरी सप्ताह में लगभग 35 लाख सदस्य बने हैं, जबकि अभियान की समय सीमा जनवरी 2025 के पहले सप्ताह तक बढ़ा दी गई है।

कूचबिहार में अनियंत्रित होकर जलाशय में पलटी बस, 25 लोग घायल

कूचबिहार : कूचबिहार जिले कूचबिहार दो नंबर ब्लॉक के मधुपुर के कालपानी इलाके में नए साल के पहले दिन पिकनिक के लिए जाते एक बस एक जलाशय में पलट गई। इस घटना से बस में सवार कम से कम 25 पिकनिक यात्री घायल हो गये। घटना के बाद स्थानीय लोग बस के अंदर फंसे घायलों को निकाला और उन्हें अस्पताल भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को छोड़ दिया गया। घटना की सूचना पाकर पुंडीबारी थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। सड़क हादसा कैसे हुआ इसकी जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। एक घायल यात्री ने बताया कि पिकनिक बस कूचबिहार के ब्लॉक नंबर एक अंतर्गत मोआमारी इलाके के धर्मारबाजार से गरुबटन के लिए रवाना हुई थी। सड़क पर काफी कोहरा था जिसकी वजह से बस मधुपुर क्षेत्र के कालपानी के भूतकुरा इलाके में जलाशय में गिर गयी।

बांकुड़ा के जंगल में बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, 15 बस यात्री घायल

बांकुड़ा : बांकुड़ा के विष्णुपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। इस घटना में 15 बस यात्री भी घायल हो गए। यह हादसा बुधवार शाम करीब पांच बजे बांकादह-तालडांगरा रोड पर बालकी गांव के पास हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, एक बस तालडांगरा से विष्णुपुर की ओर जा रही थी। बालकी गांव के पास जंगल के रास्ते अचानक सामने आई बाइक को बचाने के प्रयास में बस चालक ने नियंत्रण खो दिया। बस ने बाइक को टक्कर मार दी और पलट गई। इस हादसे में बाइक सवार 21 वर्षीय आकाश क्षेत्रपाल की मौके पर ही मौत हो गई। वह विष्णुपुर का निवासी था। बस में सवार 15 यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को विष्णुपुर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

बनगांव में चार बोरी मृत कछुए बरामद, नगरपालिका का अस्थायी कर्मचारी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के बनगांव में दुर्लभ प्रजाति के मृत कछुओं की तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को खैरामारी इलाके में छापा मारकर चार बोरी में बंद मृत कछुओं के अवशेष बरामद किए। इनकी कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने इस मामले में सुशील दास और उनके बेटे राकेश दास को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि राकेश बनगांव नगर पालिका का अस्थायी कर्मचारी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये अवशेष उत्तर प्रदेश से बनगांव पहुंचे थे और इन्हें सीमा पार बांग्लादेश भेजने की तैयारी चल रही थी। सुषील दास पहले भी अवैध तस्करी के आरोप में गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस का

मानना है कि इस गोरखधंधे में बड़ा गिरोह सक्रिय है। कछुओं के ये अवशेष प्रति किलो सात से दस हजार रुपये तक बिकते हैं और विदेशों में दवाओं के निर्माण सहित कई अन्य कामों में इनकी भारी मांग है। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

नव वर्ष की रात दीघा में होटल से गृहिणी का शव बरामद, पति हिरासत में

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के दीघा के एक होटल में नव वर्ष की रात एक गृहिणी की रहस्यमय मौत का मामला सामने आया है। पता चला है कि होटल में एक कमरे के बिस्तर से गृहिणी का शव बरामद किया गया है। मृतका की पहचान प्रीति कर (19) के रूप में की गई है। वह पश्चिम बर्दवान के हीरापुर थाना इलाके की निवासी थी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में पति को हिरासत में लिया है। गृहिणी की हत्या की गई या फिर उसने आत्महत्या की, पुलिस जांच में जुट गई है। बताया गया है कि छह महीने पहले प्रीति कर की शादी पश्चिम बर्दवान के प्रीतम ठाकुर से हुई थी। नव वर्ष की पूर्व संध्या दंपत्ति दीघा

के एक होटल में आए थे। देर रात करीब 2.30 बजे होटल के कर्मचारियों ने उनके कमरे से चीखने की आवाजें सुनी। वे दौड़कर वहां पहुंचे और देखा कि प्रीति बिस्तर पर बेहोश पड़ी थी। स्टाफ ने उन्हें दीघा स्टेट जनरल अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। लड़की के पिता के घर को पहले ही सूचित कर दिया गया है। खबर है कि परिजन दीघा के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

तमलुक में तेल टैंकर ने स्कूटी को मारी टक्कर, पिता और बेटी की मौत

पूर्व मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले के तमलुक में साल के आखिरी दिन एक दर्दनाक हादसा हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिग्नल पर खड़ी स्कूटी को एक तेल के टैंकर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी सवार एक युवक और उसकी शिशु कन्या की मौत हो गई, जबकि मां और बेटे को गंभीर चोटें आईं। यह घटना तमलुक के बड़बेड़िया इलाके की है। मिली जानकारी के अनुसार, स्कूटी पर सवार दंपत्ति और उनके दो बच्चे सिग्नल पर रुके थे, तभी पीछे से एक अनियंत्रित टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में धनंजय सामंत (30) और उनकी 7 साल की बेटी बनश्री सामंत की मौत हो गई। वहीं, मां मधुमिता सामंत(24) और 3 साल के बेटे बलराम सामंत को गंभीर हालत में तमलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मध्य कलकत्ता साहू समाज का कल्पतरु उत्सव के अवसर पर सेवा शिविर

कोलकाता, समाज्ञा : मध्य कलकत्ता साहू समाज, विगत कई वर्षों से कल्पतरु उत्सव के अवसर पर उद्यान-बाटी, काशीपुर में आने वाले सभी दर्शनार्थियों को सेवा प्रदान करती आ रही है। उसी क्रम को जारी रखते हुए, इस वर्ष भी मध्य कलकत्ता साहू समाज के द्वारा कल्पतरु उत्सव के पुण्य अवसर पर 1 जनवरी 2025 को निः शुल्क चाय, बिस्कुट, पेय जल की व्यवस्था प्रातः 5 बजे से रात 9 बजे तक काशीपुर के पुगलिया पेट्रोल पंप के पास किया गया। उक्त कार्यक्रम में अथिति पश्चिम बंगाल तैलिक साहू सभा के महामंत्री एम.एल साव, अपर महामंत्री शंभू नाथ साव के साथ सुखदेव साव, सुरेश गुप्ता, विजय साव, सरजू प्रसाद साव, गणेश साव, अरविंद साव, पिंटू साव, राजीव कुमार, अशोक साव, पश्चिम बंगाल तैलिक साहू सभा महिला सचिव कंचन गुप्ता, अंजू साव, शोभा साव, युवा सचिव उमाशंकर साव, आदि भी उपस्थित रहे। मध्य कलकत्ता साहू समाज के चेयरमैन शंभूनाथ गुप्ता एवं अध्यक्ष गोवर्धन गुप्ता के नेतृत्व में संस्था के महामंत्री महेंद्र गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, पांचू साव, राजकुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता, मुन्नीलाल साव, विनोद

साव, रामानंद साव, बनारसी साव, जगदीश साव,जगदंबा साव, तारक साव, चंदर साव, शीतला साव, श्यामसुंदर गुप्ता, अमित साव, गणेश साव, कालीप्रसाद साव, पप्पू साव, कुलदीप साव, कन्हैया साव, संजू साव, सुरेंदर साव, निहोरी साव, रूप नाथ साव, चंदन साव, विनोद साव, धीरज साव, जितेंद्र साव, अभिषेक साव आदि जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं ने इसे सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई।

सिउड़ी में युवक की रहस्यमयी मौत

बीरभूम : जिले के सिउड़ी के कॉलेजपाड़ा इलाके में मंगलवार रात एक युवक का शव उसके घर से बरामद किया गया। शव के चेहरे और गर्दन पर जख्म के निशान थे। प्राथमिक तौर पर यह माना जा रहा है कि युवक की मौत हेडफोन फटने से हुई है। लेकिन पुलिस के अनुसार, यह आत्महत्या का मामला भी हो सकता है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम सुप्रियो दास (30) था। अन्य दिनों की तरह सुप्रिय मंगलवार रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। आधी रात में परिवार के लोगों को तेज आवाज सुनाई दी। दूसरी मंजिल पर जाकर उन्होंने देखा कि सुप्रियो कपड़े पहन कर सो रहा था। शंका होने पर जब वे पास गए तो देखा कि सुप्रियो के चेहरे और गले पर जख्मों के निशान थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआत में, पुलिस ने माना कि हेडफोन फटने से युवक की मौत हुई है। लेकिन शव को अस्पताल भेजे जाने के बाद पता चला कि युवक के कोट में चॉकलेट बम था। युवक का मुंह बम का सूता मिला। इस बीच घर से हेडफोन भी बरामद हुए। ऐसे में माना जा रहा है कि युवक ने मुंह में चॉकलेट बम फोड़कर आत्महत्या कर ली। सूत्रों के मुताबिक, युवक के लैपटॉप से काफी दुखद लेख मिले हैं। वित्तीय संकट की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी।

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने साल के पहले दिन बुधवार को गार्डन रीच स्थित ढपूरे के मुख्यालय में ढपूरे का नया कार्य समय सारणी जारी किया, जो 01 जनवरी 2025 से प्रभावी है। इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक सौमित्र मजूमदार, प्रधान मुख्य संचालन प्रबंधक दीपक कुमार झा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

श्रीभूमि उड़ान ने जरूरतमंद बच्चों और बड़ों के बीच कांकुरगाछी के जगन्नाथ मंदिर में मनाया नव वर्ष

कोलकाता, समाज्ञा : उड़ान द्वारा नए साल में जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करते हुए सुस्वाद प्रसाद और कंबलों को वितरण किया गया। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में उड़ान कि चेयरपर्सन किरण अग्रवाल ने कहा कि जहां लोग मौज मस्ती के साथ अपना दिन व्यतीत करते हैं, वहीं, उड़ान के सदस्य हर वर्ष प्रभु जगन्नाथ के चरणों में श्रद्धा निवेदन करके सभी जरूरतमंद लोगों के मन में एक छोटी सी खुशी लाने का प्रयास करता है। समाज सेवी संजू, विजय डोकानिया ने भी अपना योगदान देकर, ऐसा काम सभी संस्थाओं को करना चाहिए ये बात रखी। वहीं, लक्ष्मण अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को सामाजिक कार्य में इस तरह की भागीदारी और उड़ान श्रीभूमि सामाजिक कार्य में एक अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव मनीषा जैन, आशा जिंदल, मधु अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सरिता मनोज शर्मा, सुनीता मनोज अग्रवाल, पूनम वर्मा, राजेश डालमिया, शिवानी मिकी शर्मा आदि सक्रिय रहे।

तृणमूल के स्थापना दिवस पर वार्ड 42 में जरूरतमंदों में कंबल वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को वार्ड 42 तृणमूल युवा कांग्रेस के द्वारा स्थानीय अर्मेनिया स्ट्रीट में केक और 500 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव

अभिषेक बनर्जी, उत्तर कोलकाता के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय, जोड़ासांको के विधायक विवेक गुप्ता, उत्तर कोलकाता के तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति शांति रंजन कुंडू के आह्वान पर कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम में जोड़ासांको के विधायक विवेक गुप्ता, अशोक ओझा, श्रीधर पांडेय, अनिल सिंह, श्याम मिश्रा, राजीव तिवारी, सुरेश पांडेय, श्वेता इंदौरिया, शिवशंकर दुबे सहित नेतागण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मो. जमालुद्दीन, मिराज खान, लालू मिश्रा, विजय शर्मा, अशफाक खान, अनिल मिश्रा, शोएब हुसैन, अमृत पांडेय, प्रेम दुबे, हृदेश पांडेय, आबिद हुसैन, सुरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, जयराम चौधरी, सुबोध चौधरी, अजय बोथरा, कृष्ण श्रीव-ास्तव, नवल मंडल, ओम गुप्ता का योगदान रहा। कार्यक्रम का आयोजक तृणमूल युवा कांग्रेस वार्ड 42 के सभापति दीपक निगानिया द्वारा किया गया।

पूर्व रेलवे सियालदह डिवीजन ने महाकुंभ के लिए तैयार की दो विशेष ट्रेनें

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह डिवीजन ने आगामी महाकुंभ मेले के लिए दो विशेष ट्रेनों की तैयारी पूरी कर ली है। सियालदह के वरिष्ठ डीएमई और सियालदह के डीआरएम के नेतृत्व में कर्मचारियों की समर्पित टीम ने दिन-रात मेहनत कर इन ट्रेनों को यात्रियों के लिए बेहतरीन सेवाओं से लैस किया है। इन ट्रेनों के लिए व्यापक सुधार और सजावट की गई है। जिनमें ट्रेनों के बाहरी हिस्से को आकर्षक विनाइल रैप से सजाया गया है। यात्रियों के लिए आरामदायक और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने हेतु ट्रेनों का अंदरूनी हिस्सा खूबसूरती से सजाया गया। उन्नत मशीनरी का उपयोग कर ट्रेनों की कोने-कोने की सफाई की गई, जिससे उच्चतम स्तर की स्वच्छता सुनिश्चित की गई है। ट्रेनों के अंदर और बाहर नए पेंट का उपयोग कर उन्हें ताजा और आकर्षक रूप दिया गया है। ये विशेष ट्रेनें रेलवे यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के प्रति डिवीजन की समर्पण को दर्शाती हैं।

न्यूज अपडेट

अब दो एक्सप्रेस ट्रेनें बदलेंगी मार्ग, सोगरिया स्टेशन पर मिलेगा ठहराव

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे द्वारा दो एक्सप्रेस ट्रेनों को गुरला-सोगरिया कॉर्ड लाइन के माध्यम से कोटा स्टेशन को छोड़कर सोगरिया स्टेशन पर ठहराव के साथ चलाने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय 01 जनवरी 2025 से प्रभावी हो गई है। इसके तहत, 06 जनवरी से शुरू होने वाली 19608 मदर जंक्शन- कोलकाता साप्ताहिक एक्सप्रेस और 02 जनवरी से शुरू होने वाली 19607 कोलकाता-मदर जंक्शन साप्ताहिक एक्सप्रेस, क्रमशः सोगरिया स्टेशन पर 05:45 बजे और 21:05 बजे पहुंचेगी। इसके अलावा, 04 जनवरी से शुरू होने वाली 13424 अजमेर-भागलपुर वीकली एक्सप्रेस और 02 जनवरी से शुरू होने वाली 13423 भागलपुर-अजमेर साप्ताहिक एक्सप्रेस क्रमशः सोगरिया स्टेशन पर 12:10 बजे और 15:30 बजे पहुंचेगी। इन दोनों एक्सप्रेस ट्रेनों का सोगरिया स्टेशन पर दोनों दिशाओं में 10 मिनट का ठहराव दिया गया है।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 967 नाबालिगों का किया रेस्क्यू

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जनवरी 2024 से 30 नवंबर 2024 के बीच, आरपीएफ कर्मियों ने पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न रेलवे स्टेशनों और रेलवे परिसरों से कुल 967 नाबालिगों को बचाया। आरपीएफ के सतर्क और त्वरित कार्यों की बदौलत इन बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने या उन्हें उपयुक्त अधिकारियों के माध्यम से सुरक्षित संरक्षण में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। इन 967 नाबालिगों में 642 लड़के और 325 लड़कियां शामिल थीं। इसमें से हावड़ा डिवीजन में 329 लड़के और 140 लड़कियां, सियालदह डिवीजन में 53 लड़के और 44 लड़कियां, आसनसोल डिवीजन में 117 लड़के और 65 लड़कियां, मालदह डिवीजन में 143 लड़के और 76 लड़कियां शामिल है। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते की सफलता पूर्व रेलवे की बच्चों की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दर्शाती है।

पश्चिम बंगाल कुश्ती संघ की आम बैठक संपन्न, नई कार्यकारी समिति घोषित

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल कुश्ती संघ की आम बैठक नेहरू बाल संग्रहालय में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह उपस्थित रहे, जबकि बैठक की अध्यक्षता असित कुमार साहा ने की। इस बैठक में नई कार्यकारी समिति के नामों की घोषणा की गई। नई समिति में अध्यक्ष गौतम घोष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष असित कुमार साहा, महासचिव शोवन चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष शम्पा कुंडू, उपाध्यक्ष अरुणांशु साहा, अनिल कुमार शर्मा, श्वेता दुबे, प्रेम प्रकाश सिंह, संयुक्त सचिव भारत रॉय, नंदन देबनाथ, कार्यकारी सदस्य भास्कर दास, प्रशांत बर्मन, राजकुमार सरकार, शुवो बिस्वास, देबाशीष चक्रवर्ती और आशीष कुमार रॉय को चयनित किया गया।

तीन ट्रेनों का चंपापुर हॉल्ट और सलीमपुर बिहार स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे ने चंपापुर हॉल्ट और सलीमपुर बिहार स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों का 1 मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया है। यह ठहराव 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक रहेगा। इसके तहत, 13207 जसीडीह-पटना एक्सप्रेस, चंपापुर हॉल्ट पर रात 22:13 बजे पहुंचेगी और 22:14 बजे प्रस्थान करेगी। 13208 पटना-जसीडीह एक्सप्रेस, चंपापुर हॉल्ट पर सुबह 10:15 बजे पहुंचेगी और 10:16 बजे रवाना होगी। 03273 देवघर-पटना मेमू, सलीमपुर बिहार स्टेशन पर सुबह 11:54 बजे पहुंचेगी और 11:55 बजे चलेगी। यह अस्थायी व्यवस्था यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है।

सियालदह डिवीजन ने ट्रेन संचालन में क्रांति लाते हुए एंड्रॉइड मोबाइल ऐप 'ई-ज्ञान' किया लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह डिवीजन के इलेक्ट्रिक ऑपरेशन विभाग ने ई-ज्ञान नामक एक अभिनव एंड्रॉइड मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह रनिंग स्टाफ और पर्यवेक्षकों के लिए सुरक्षा, तकनीकी ज्ञान और संचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। ई-ज्ञान, ऑडियो-वीडियो फॉर्मेट में व्यापक सुरक्षा परामर्श और दिशा-निर्देश उपलब्ध कराता है, जिससे संचालन के दौरान जोखिम कम होते हैं। फॉल्ट समाधान में सरलता होती है। वहीं, तकनीकी दिशा-निर्देश, प्रश्नोत्तरी, और महत्वपूर्ण जी एंड एसआर तक सतत पहुंच सुनिश्चित करती है कि स्टाफ हमेशा अपडेटेड और कुशल रहें। पासवर्ड-प्रोटेक्टेड उपयोग, डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए, पूर्व-निर्धारित उपयोगकर्ताओं तक ही पहुंच सीमित करता है। एसपीएम डेटा विश्लेषण के प्रबंधन को सरल बनाता है और सिग्नल लोकेशन चार्ट और तकनीकी परिपत्रों का त्वरित संदर्भ प्रदान करता है। यह ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इसे ई-ग्यान सर्च करके डाउनलोड किया जा सकता है।

❑ ऐप की प्रमुख विशेषताएं

यह ऐप सिग्नल पास्ड एट डेंजर को रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देता है। तकनीकी समस्याओं को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए चरण-दर-चरण निर्देश और आकर्षक और आसानी से समझने योग्य सुरक्षा निर्देश देता है। सियालदह डिवीजन के प्रमुख यार्डों का विस्तृत विवरण, ट्रेन प्रबंधन में त्रुटि-रहित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देता है। स्टाफ और पर्यवेक्षकों के लिए डेटा प्रबंधन को सरल बनाता है।

कुंभ मेला 2025 के लिए गैर-चिकित्सीय कर्मचारियों के लिए फर्स्ट एड और सीपीआर का प्रशिक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने कुंभ मेला 2025 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। बी.आर. सिंह अस्पताल, सियालदह में गैर-चिकित्सीय कर्मचारियों को फर्स्ट एड और सीपीआर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का नेतृत्व डॉ. अद्रीश बनिक (डीएमओ, एनेस्थीसिया) और मार्गदर्शन डॉ. अशोक साहा (एसीएचडी/आईसी, एनेस्थीसिया) द्वारा किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आपातकालीन स्थिति में रेलवे के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को तीव्र और प्रभावी प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें हृदय आपात स्थिति में तत्काल देखभाल प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चोट, जलने और

फ्रैक्चर जैसी स्थितियों को प्रभावी ढंग से संभालने के उपाय, और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल भी समझाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में व्यावहारिक और उपयोगी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कई बैचों में कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि व्यापक कवरेज सुनिश्चित की जा सके। पूर्व रेलवे की यह पहल कुंभ मेला जैसे विशाल आयोजन में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

536 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप में चिटफंड सरगना गिरफ्तार

आरोपित पर 5 लाख निवेशकों के पैसे लेकर गायब होने का आरोप

कोलकाता, समाज़ा : 536 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामले में चिटफंड सरगना को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि आरोपित सरगना ने तीन से पांच साल के भीतर पैसा दोगुना करने का वादा करके करीब 5 लाख निवेशकों का पैसा हड़प लिया। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने इस आरोप में सरगना को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम अपूर्व कुमार साहा है। बुधवार को उसे अदालत में पेश किया गया। बताया गया है कि चिटफंड प्रबंधक अपूर्व कुमार साहा ने 2010 में कारोबार शुरू किया था। प्रलोभन यह था कि उन्होंने धन दोगुना करने का वादा करके 5 लाख लोगों

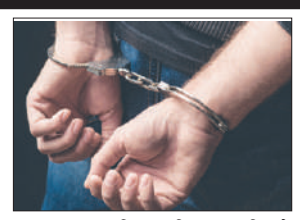

का धन हड़प लिया। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 2014 में जांच शुरू की। उस समय आरोपित ने जमीन बेचकर कुछ पैसा निवेशकों को वापस कर दिया था। लेकिन, वह बैंक लेनदेन के कागजात दिखाने में असफल रहे। जांच एसएफआईओ को सौंपी गई। जांच एजेंसी ने शिकायत के आधार पर अपूर्वा को गिरफ्तार कर लिया। पता चला है कि अपूर्व साहा ने 18 फर्जी कंपनियां बनाईं। उन कम्पनियों के माध्यम से धन को अन्यत्र भेजा गया। निवेशकों के पैसे से लगभग 16 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि खरीदी गई। जांचकर्ताओं का मानना है कि इस गिरोह के पीछे कई लोग छिपे हुए हैं। जांचकर्ता अपूर्व कुमार साहा को हिरासत में लेकर पूछताछ उनकी तलाश में जुट गई है।

65 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामलों से जुड़ा एक और जालसाज गिरफ्तार

कोलकाता पुलिस ने पिछले दिनों साइबर ठगी के मामले में हावड़ा के लिलुआ से एक और जालसाज को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम शांतनु गायेन है। बता दें कि इसके पहले पिछले महीने उत्तर 24 परगना के बारासात से तन्मय पाल नामक जालसाज को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा कि आरोपित देश भर में 300 से अधिक साइबर ठगी के मामलों में शामिल हैं, जिसकी कुल राशि 65 करोड़ रुपये है। उल्लेखनीय है कि बांसद्रोणी निवासी राजीव चक्रवर्ती ने पिछले महीने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप हैं कि उनकी अनुमति के बिना उनके खाते से 46 लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। जांच करने पर पुलिस को पता चला कि पैसा बारासात के एक बैंक खाते में गया है। पुलिस ने तलाश कर तन्मय को गिरफ्तार कर लिया। उसके खाते में 46 लाख रुपये गए थे। आरोपित से पूछताछ के बाद शांतनु को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से ये जालसाज फोन, वाट्सएप या टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से अपने शिकार को पकड़ते हैं। आम लोगों को थोड़ा-थोड़ा करके निवेश करने की सलाह दी जाती थी। कम निवेश पर अधिक रिटर्न का लालच देते थे।

मंत्री बेचाराम मन्ना के नेतृत्व में सिंगूर में रेल अवरोध

हुगली, समाज़ा : रेलवे द्वारा सिंगूर आंदोलन लोकल का विस्तार तारकेश्वर तक किए जाने के विरोध में साल के पहले दिन हावड़ा-तारकेश्वर रूट के सिंगूर स्टेशन पर राज्य के मंत्री बेचाराम मन्ना के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने रेल अवरोध कर विरोध जताया। बेचाराम मन्ना ने कहा कि रूट विस्तार के नाम पर सिंगुर आंदोलन लोकल को वापस लिया जा रहा है जिसे वे मानने को तैयार नहीं हैं। रेलवे का दावा है कि ट्रेन का रूट बढ़ाया जा रहा है। ट्रेन सिंगूर की बजाय तारकेश्वर तक चलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ट्रेन से सिंगुर आंदोलन का इतिहास जुड़ा हुआ है। इसलिए वे ट्रेन को रद्द नहीं होने देंगे। बुधवार

की सुबह 6.45 बजे जब तारेश्वरगामी लोकल ट्रेन सिंगूर के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर दाखिल हुई तो सिंगूर के लोग मंत्री बेचाराम मन्ना के नेतृत्व में रेलवे लाइन पर अवरोध कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि रेलवे सिंगूर आंदोलन लोकल के विस्तार के अपने फैसले को रद्द करे। लोगों के विरोध के कारण लोकल ट्रेन सिंगूर से आगे नहीं जा पाई और हावड़ा लौट आई। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, कल से यह ट्रेन तारकेश्वर तक जायेगी।

न्यूज अपडेट

न्यूटाउन में पेड़ से व्यक्ति का झूलता शव बरामद

कोलकाता, समाज़ा : महानगर में नव वर्ष के पहले दिन एक व्यक्ति का झूलता शव बरामद किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह न्यूटाउन थाना अंतर्गत टैंक नंबर 3 के निकटवर्ती क्षेत्र में एक पेड़ से झूलता शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान काली प्रमाणिक के रूप में की गई है। वह उदयन पल्ली महिषबथान का निवासी हैं। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि पारिवारिक अशांति के कारण उसने आत्महत्या की होगी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में मॉर्निंग वॉकरों ने सबसे पहले न्यूटाउन में टैंक नंबर 3 से सटे नहर के किनारे एक पेड़ से लटकी एक व्यक्ति की लाश देखी। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उत्तरपाड़ा में तृणमूल नेता पर हमला

हुगली, समाज़ा : जिले के उत्तरपाड़ा थानांतर्गत माखला में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर डानकुनी के रघुनाथपुर ग्राम पंचायत के सदस्य पार्थ नस्कर, युवा तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता शंखदीप मंडल और उनके दो साथियों पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। तृणमूल नेता पार्थ नस्कर को गंभीर हालत में कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, माखला ऑटो स्टैंड के पार तृणमूल नेता और कार्यकर्ताओं कर हमला हुआ। इस हमले में किसी को सिर में चोट लगी तो किसी को सीने में गंभीर चोट लगी। सभी को घायलों को उत्तरपाड़ा स्टेट जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में, उन्हें एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पार्थ नस्कर की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। खबर लिखे जाने तक हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

डॉलर के नाम पर टीन के सिक्के देकर ठगी, दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज़ा : बैरकपुर डॉलर के नाम पर टीन के सिक्के देकर 1 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम आफताब खरादी और राजू विश्वास हैं। पीड़ित ने बांग्लादेशी आरोपियों से डॉलर खरीदने की बात की थी। सौदे के दौरान आरोपियों ने पीड़ित को 557 सिक्के और 100 सऊदी रियाल सौंपे, लेकिन जांच करने पर पता चला कि सिक्के टीन के बने हुए हैं। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने बिजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीन घंटे के अंदर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से नकद 48,500 रुपये, जाली दस्तावेज, और टीन के सिक्के बनाने के उपकरण बरामद किए गए। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

कुणाल घोष का आरोप, कोलकाता के काली मंदिर में भक्तों से की जा रही जबरन वसूली

- तृणमूल नेता की मौजूदगी में मंदिर प्राधिकारी और स्थानीय लोगों के बीच हुई नोकझोंक

कोलकाता, समाज़ा : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने आरोप लगाया है कि उत्तर कोलकाता के हरिनाथ डे रोड स्थित काली मंदिर में भक्तों से जबरन वसूली की जा रही है और उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। घोष ने स्थानीय लोगों से जबरन वसूली के आरोपों का पता लगाने के लिए उक्त काली मंदिर का दौरा किया। उन्होंने देवी काली के नाम पर भक्तों से कथित तौर पर मोटा पैसा लेने के लिए मंदिर प्रबंधन के खिलाफ आवाज उठाई। स्थानीय लोगों का एक बड़ा वर्ग भी कुणाल घोष के साथ शामिल हो गया और मंदिर अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आरोपों को लेकर मंदिर प्राधिकारी और स्थानीय लोगों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सूचना मिलने पर अम्हर्स्ट स्ट्रीट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। कुणाल घोष ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान पुजारी पुलिस को कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। घोष ने कहा कि श्यामा सुंदरी मंदिर इंटरनेट मीडिया पर एक जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। हम खुद हिंदू हैं और मां काली के भक्त हैं इसलिए मंदिर पर कोई टिप्पणी नहीं है। लेकिन हाल ही में इस क्षेत्र से मंदिर के नाम पर भक्तों से हजारों की धनराशि हड़पने की कई शिकायतें मिली हैं। महिलाओं से देवी के नाम पर अपने सोने के आभूषण देने के लिए भी कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी भी अफवाहें हैं कि देवी रात में इस इलाके में घूमती हैं। हमने दक्षिणेश्वर या कालीघाट के बारे में ऐसा कभी नहीं सुना। इस तरह की अफवाहों ने बहुत सारे भक्तों को आकर्षित किया है जिससे पूरी तरह अराजकता फैल गई है। तृणमूल नेता ने कहा कि एक और गंभीर शिकायत यह है कि मंदिर के पुजारी बार-बार बड़े नामों को ला रहे हैं। वे मशहूर हस्तियों को ला रहे हैं और यूट्यूब पर वीडियो जारी कर रहे हैं। लोगों को बातों से गुमराह किया जा रहा है। देवी के नाम पर धोखेबाजी के बारे में हमने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, मंदिर प्रबंधन ने तृणमूल नेता के आरोपों को खारिज किया है।

चांपदानी में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर धारदार हथियार से युवक की हत्या, मुख्य आरोपित गिरफ्तार

मृतक ने किया था तेज आवाज में साउंड बॉक्स बजाने का विरोध

हुगली, समाज़ा : जिले के चांपदानी में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक युवक की हत्या से सनसनी के साथ ही तनाव पसर गया। मृतक की पहचान ओम प्रकाश राजभर (25) के रूप में की गई है। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रोहित बनारसी को गिरफ्तार किया है। घटना की शुरुआत गत मंगलवार की रात चांपदानी के फेसुआबागन एबीएस क्लब मैदान में फुटबॉल मैच को लेकर हुई। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर यहां सुबह से ही जोर-जोर से साउंड बॉक्स बजाया जा रहा था। यहां तक जब शाम को फुटबॉल मैच का समापन हो गया तब भी गाना बजाया जा रहा था। लोगों ने बताया कि मैदान के बगल में ही ओमप्रकाश

का घर है। परेशानी के चलते ओम प्रकाश ने रात करीब 11.30 बजे मैदान में जाकर साउंड बॉक्स बंद करा दिया। आरोप है कि ऐसे में ओमप्रकाश से क्लब के तमाम लोग नाराज हो गए और बदला लेने की ठानी। इसके बाद ही एक युवक रोहित कुछ लोगों के साथ उस मैदान में पहुंचा। आरोप है कि रोहित बनारसी और उसके साथ आए लोग नशे में थे। साउंड बॉक्स बंद करने को लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। उक्त युवकों ने फिर तेज आवाज में साउंड बॉक्स बजाने की कोशिश की। जिसका फिर से ओमप्रकाश ने फिर विरोध किया। इसी दौरान, ओमप्रकाश पर धारदार हथियार हमला कर दनादन से कई वार किए गए। खून से लथपथ ओमप्रकाश को चंदननगर अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उक्त घटना के बाद से ही लोगों में क्लब के युवकों के खिलाफ गुस्सा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ओम प्रकाश चापदानी के डलहौजी जूट मिल में काम करता था व उसके पिता रामचन्द्र राजभर भी नॉर्थब्रुक जूट मिल में कर्मचारी हैं। चंदननगर के पुलिस कमिश्नर अमित पी जावलगी ने कहा कि रात में बॉक्स बजाने को लेकर उक्त घटना घटी। मुख्य आरोपी रोहित बनारसी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेरे मरने के बाद शरीर 6 फुट नीचे मिट्टी में मिल जाएगा, क्या मैं भारतीय नहीं हूं? : फिरहाद हकीम

कोलकाता, समाज़ा : तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जोरदार संदेश दिया। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस का मतलब केवल सत्ता में आना नहीं है। तृणमूल कांग्रेस आत्म-त्याग और समर्पण का प्रतीक है। धर्मनिरपेक्षता पर जोर देते हुए हकीम ने कहा, हम सर्वधर्म समभाव में विश्वास करते हैं। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है, लेकिन मेरा संदेश स्पष्ट है - मुझे हिंदू और मुस्लिम दोनों तरह की सांप्रदायिकता से नफरत है। मेरे मरने के बाद मेरा शरीर भारत की मिट्टी में मिलेगा। क्या मैं भारतीय नहीं हूं? उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। बिना नाम लिए शुभेंदु अधिकारी पर कटाक्ष करते हुए हकीम ने कहा,

आज का नारा है-सांप्रदायिकता हटाओ, देश बचाओ। फर्जी दिखावे और झूठे वादों पर किसी को भरोसा नहीं है। अपने मूल आदर्शों के साथ ईमानदारी से काम करो। हकीम ने पार्टी कार्यकर्ताओं को ममता बनर्जी के नेतृत्व पर विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया और कहा कि देश की मुक्ति का मार्ग ममता बनर्जी का मार्ग है। तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हकीम का यह भाषण पार्टी के सिद्धांतों और एकता को बनाए रखने की अपील का प्रतीक है।

नव वर्ष पर विभिन्न आरोपों में 436 लोग गिरफ्तार

कानून तोड़ने के खिलाफ कोलकाता में 1,626 मामले दर्ज

कोलकाता, समाज़ा : नव वर्ष की पूर्व संध्या से लेकर बुधवार को नये साल के पहले दिन जहां बंगाल सहित महानगर कोलकाता में लोग नव वर्ष पर उनलोगों पर गाज गिराती रही जिन्होंने कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाया और हुल्लड़ मचाया। लालबाजार (कोलकाता पुलिस मुख्यालय) के अनुसार, इस दौरान हर जगह पुलिस की चुस्त व्यवस्था रही व महिला पुलिस कर्मियों ने मनचलों पर गाज भी गिराया। खबर के लिखे जाने तक उल्लखेनीय संख्या में मनचलों व बहकने वालों पर कार्रवाई भी पुलिस द्वारा की गई। कोलकाता ट्रैफिक पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ट्रैफिक कानूनों के उल्लंघन के लिए

महानगर कोलकाता भर में 1,626 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि महानगर कोलकाता में इस दौरान हुल्लड़ सहित, विभिन्न आरोपों में कुल 436 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के साथ ही कुल 38.6 लीटर शराब जब्त की गयी है। खबर के लिखे जाने तक कुल 600 लोगों पर बिना हेलमेट के बाइक चलाकर कानून तोड़ने का आरोप है। इसके अलावा, 282 सवारों के खिलाफ यातायात कानून तोड़ने की शिकायत दर्ज की गई है क्योंकि तीन लोग एक साथ बाइक चला रहे थे। कोलकाता ट्रैफिक पुलिस ने अब तक पूरे कोलकाता शहर में नशे में गाड़ी चलाने, खतरनाक तरीके से ड्राइविंग और अन्य कारणों से यातायात कानूनों का उल्लंघन करने के लिए कुल 237 लोगों पर मामला दर्ज किया है। वहीं, 214 लोगों के खिलाफ नशे में गाड़ी चलाने का व 293 लोगों के खिलाफ अन्य मामले में कार्रवाई की गई है। साथ ही, 9 किलो पटाखें भी जब्त किए गए हैं।

गरफा में दोस्त के फ्लैट में छात्र ने किया सहपाठी से दुष्कर्म, इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

कोलकाता, समाज़ा : कोलकाता पुलिस ने बुधवार को कोलकाता के एक नामचीन इंजीनियरिंग कॉलेज के एक छात्र को अपने सहपाठी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया। घटना 21 दिसंबर 2024 को दक्षिण कोलकाता के गरफा इलाके में स्थित एक खाली फ्लैट में हुई थी, जो आरोपित के दोस्त का था। पीड़िता और उसके माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपित ने उसे पहले फ्लैट पर बुलाया। वहां उसने सॉफ्ट ड्रिंक में शराब मिलाकर उसे नशे की हालत में पहुंचा दिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, पीड़िता ने शुरुआत में सदमे की स्थिति के कारण यह घटना अपने माता-पिता को नहीं बताई। हालांकि, बाद में, उसने पूरी घटना का खुलासा किया, जिसके बाद मंगलवार की रात गरफा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी को उसी रात पूछताछ के लिए बुलाया और रातभर की पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। इस दिन, दोपहर में आरोपित को कोलकाता की एक निचली अदालत में पेश किया गया। फ्लैट के मालिक, जो आरोपित का दोस्त है, को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, घटना से कुछ महीने पहले आरोपी और पीड़िता के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते वे बातचीत बंद कर चुके थे। हालांकि, दिसंबर में दोनों ने फिर से सामान्य रूप से बातचीत शुरू की थी।

नव वर्ष की रात कोलकाता में दो जगहों पर लगी भीषण आग

कोलकाता, समाज़ा : नव वर्ष की रात महानगर समेत राज्यभर पटाखों की आवाज से गूंज उठा था। कोलकाता से लेकर उपनगरों तक, हर जगह नए साल का जश्न नाच-गाने और पटाखे फोड़कर मनाया जा रहा था। इसी बीच, कोलकाता में दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लग गई। पहली घटना, एक बहुमंजिला अपार्टमेंट की लॉबी में आग लग गई। जबकि, दूसरी घटना सेंट्रल एवेन्यू पर आग लगी। बताया जा रहा है कि आग पटाखा फोड़ने की वजह से लगी। आग सेंट्रल एवेन्यू स्थित बीएसएनएल कार्यालय के ठीक पीछे लगी। पहले 4 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं, और बाद में 6 और गाड़ियां पहुंचीं। कुल 10 इंजनों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया। दूसरी ओर, नए

साल के जश्न के दौरान मुकुंदपुर में बाईपास से सटे एक बहुमंजिला इमारत में देर रात को आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब चारों ओर पटाखे फूट रहे थे, तो एक जलता हुआ पटाखा उड़कर एक ऊंची इमारत की लॉबी में जा गिरा। आग वहीं से फैल गयी। आग कम से कम तीन मंजिलों तक फैल गयी। पूरा घर धुएं से भर गया था। हालांकि, सभी निवासी सुरक्षित बाहर निकल आये। बहुमंजिला अग्निशमन प्रणाली का उपयोग करके आग पर काबू पाया गया।

भांगड़ में तृणमूल नेता अराबुल की कार पर पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

तृणमूल के स्थापना दिवस पर पार्टी के दो गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़े

कोलकाता, समाज़ा : नए साल के पहले दिन बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर बुधवार को कोलकाता से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ में पार्टी के दो गुटों के बीच जमकर संघर्ष देखने को मिला। घटना की शुरुआत तब हुई जब हाल में जेल से बाहर निकले तृणमूल कांग्रेस के बाहुबली नेता और भांगड़ के पूर्व विधायक अराबुल इस्लाम पार्टी के स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम में झंडा फहराने के बाद लौट रहे थे, तभी उनके काफिले को घेरकर कुछ लोगों ने वाहन पर पथराव कर दिया। हमले का आरोप अराबुल के प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले कैनिंग पूर्व से तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला के करीबियों पर है। पथराव की घटना के बाद दोनों गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। तनाव फैलने पर हाथीशाला थाने की पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसी तरह स्थिति को संभाला। अराबुल ने इस हमले के लिए शौकत मोल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। अराबुल ने कहा कि इस तरह के हमले से मैं डरने वाला नहीं हूं और न ही मुझे पार्टी से दूर किया जा सकता है। जब तक मैं जीवित हूं, तृणमूल कांग्रेस का झंडा लेकर चलूंगा। मैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी के निर्देशों का पालन करूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि योजनाबद्ध तरीके से शौकत मोल्ला के आदेश पर कुछ असामाजिक तत्वों ने मुझ पर हमला किया। दूसरी ओर, अराबुल के आरोपों को खारिज करते हुए तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला ने दावा किया कि हमले में तृणमूल कांग्रेस का कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं था। शौकत ने कहा कि पार्टी का अराबुल से कोई संपर्क नहीं है। अराबुल की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ लोग इलाके में फिर से हिंसा भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

कृष्णानगर में वकील पर गोलीबारी, निशाना चूकने से बाल-बाल बचे

कोलकाता, समाज़ा : नदिया जिला के कृष्णानगर में एक वकील पर 4-5 राउंड गोलीबारी की गई। हालांकि, निशाना चूक गया और वकील बाल-बाल बच गया। पुलिस ने इस घटना में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना के बाद इलाके की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पता चला है कि कृष्णानगर जिला सत्र न्यायालय और जॉर्ज कोर्ट के वकील सुमन घोष पर गोली चलाई गई है। उन्होंने बताया कि वह कृष्णानगर कोतवाली थाना अंतर्गत भंडारखोला पंचायत के पानी नाला इलाके में अपने घर के बगल में पड़ोसियों के साथ जमीन का सर्वे कर रहे थे। आरोप है कि एक भू-माफिया उनकी जमीन से अवैध रूप से मिट्टी काटकर ले जाता था। हालांकि, किसी तरह सुमन बच गया। इसके बाद, वकील ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक भू-माफिया को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, बाकी फरार है। पुलिस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कृष्णानगर कोतवाली थाने की पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश कर रही है।

कोलकाता के 12 इलाकों में टैक्सी स्टैंड की मांग, मालिक-चालकों ने मेयर को सौंपा आवेदन

कोलकाता, समाज़ा : कोलकाता के 12 प्रमुख इलाकों में टैक्सी स्टैंड बनाने की मांग को लेकर टैक्सी मालिक-चालक संगठनों ने कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हकीम को पत्र सौंपा। सोमवार को मेयर के साथ हुई बैठक में संगठन के नेताओं ने यह मांग रखी। शहर में लंबे समय से टैक्सी स्टैंड की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। टैक्सी चालकों द्वारा मनमाने ढंग से गाड़ियों को खड़ा करने और अवैध पार्किंग की शिकायतें लगातार आती रही हैं। इस समस्या के समाधान और ऐप-आधारित

टैक्सियों के लिए भी स्टैंड बनाने की मांग उठ रही थी। संगठन ने कोलकाता के 12 प्रमुख स्थानों को इस उद्देश्य के लिए चिन्हित किया है, जिनमें रासबिहारी क्रॉसिंग, हाजरा, पार्क सर्कस सेवन पॉइंट, श्यामबाजार मेट्रो स्टेशन, बेलेघाटा सेल टैक्स, गणेश टॉकीज, एंटाली मार्केट, टॉलीगंज मेट्रो स्टेशन, बिबादी बाग, कोलकाता हाईकोर्ट क्षेत्र, साउथ सिटी मॉल शामिल है। इसके अलावा, शहर के सभी प्रमुख अस्पतालों के सामने भी टैक्सी स्टैंड बनाने का सुझाव दिया गया है। प्रत्येक टैक्सी स्टैंड पर अधिकतम चार टैक्सियों को खड़े करने की अनुमति देने की सिफारिश की गई है। संगठनों ने कहा कि मेयर ने इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और स्टैंड बनाने का आश्वासन दिया है। इससे शहर के यातायात और टैक्सी सेवाओं में सुधार होने की उम्मीद है।

तृणमूल स्थापना दिवस पर कंबल वितरण कार्यक्रम में हादसा, 7 घायल

मालदह : तृणमूल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कंबल वितरण और खिचड़ी वितरण के कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। तुलसीहाटा हाई स्कूल के मैदान में इकट्ठा भीड़ के बीच धक्का-मुक्की के कारण ईंटों की अस्थायी दीवार गिरने से 7 लोग घायल हो गए। घायलों में 5 महिलाएं भी शामिल हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तुलसीहाटा में तृणमूल कांग्रेस ब्लॉक नेतृत्व ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए कंबल वितरण का आयोजन किया था। लगभग 1,500 लोगों को कंबल वितरण की योजना बनाई गई थी। कार्यक्रम शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग एक साथ मैदान में पहुंच गए, जिससे हड़कंप मच गया। मौके पर भगदड़ के बीच स्कूल के मैदान में बनाई गई ईंटों की दीवार गिर गई, जिससे 7 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

बागदा से फिर दो महिला बांग्लादेशी घुसपैठियां गिरफ्तार

कोलकाता, समाज़ा : उत्तर 24 परगना में भारत-बांग्लादेश सीमा बागदा से फिर से दो बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार दोनों घुसपैठियों महिलाएं है और वे सीमा पार कर बांग्लादेश जाने की योजना बना रही थीं। अभियुक्तों के नाम अजमीरा खातून और शिरीना खातून हैं। उनका घर बांग्लादेश के जेस्सोर के सरसा इलाके में है। बताया गया है कि पांच महीने पहले दोनों महिलाएं बिना पासपोर्ट या वीजा के सीमा पार कर भारत में आए थे। फिर, वे मुंबई चले गए। दोनों वहां एक पार्लर में काम कर रहे थे। वे मुंबई से बांग्लादेश लौटने के लिए बनगांव-बागदा सीमा पर पहुंचे

थे। साल के अंतिम दिन मंगलवार की रात को वे सीमा पार कर अपने घर लौटने की कोशिश कर रहे थे। बागदा थाना अंतर्गत चुआटिया माथाभांगा चौराहे पर दोनों महिलाओं को घूमते देखा गया। उस समय गश्त कर रही पुलिस को उन्हें देखकर संदेह हुआ। इसके बाद, उनसे पूछताछ शुरू हुई। उनके बयानों में विरोधाभास के कारण उन्हें पुलिस थाने ले जाया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपनी असली पहचान बता दी। बुधवार को जब उन्हें बनगांव मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया तो न्यायाधीश ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया।

न्यूज इन ब्रीफ

नए साल में 'स्वर्णिम झारखंड' बनाने का संकल्प लें: सोरेन

रांची : वर्ष 2025 के पहले दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए 'स्वर्णिम झारखंड' बनाने का संकल्प लिया। राज्य में आकर्षक पतरातू झील और झरनों समेत लोकप्रिय पर्यटन और पिकनिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, नव वर्ष 2025 के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। राज्य के अमर वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों तथा जनता की आकांक्षाओं को साकार करते हुए हमें मिलकर स्वर्णिम झारखंड का निर्माण करना है। उन्होंने लिखा, हम अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचकर उसे राज्य के सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने का काम करेंगे।

राजस्थान सरकार ने 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस अधिकारियों को पदोन्नत किया

जयपुर : राजस्थान सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किये। कार्मिक विभाग ने अलग-अलग आदेश जारी कर 27 आईएएस, 45 आईपीएस और 29 आईएफएस अधिकारियों को पदोन्नत किया है। कार्मिक विभाग के 31 दिसंबर को जारी आदेश के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग(पीएचईडी) प्रमुख सचिव भास्कर ए सावंत को अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर पदोन्नत किया गया है। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ सिहाग को विशेष सचिव के तौर पर पदोन्नत किया गया है। सिद्धार्थ सिहाग और उनकी पत्नी रुक्मिणी रियार को एक साथ पदोन्नति मिली है। दोनों 2012 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

छह से 10 जनवरी तक स्कूल-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को निर्देश दिया कि छह से 10 जनवरी तक सभी स्कूल-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को यह निर्देश दिया। योगी ने कहा कि जिला सड़क सुरक्षा समिति, जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पांच जनवरी तक हर हाल में बैठक संपन्न करें। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) व होमगार्डों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष हो रही हजारों मौतें जागरूकता के कमी के कारण होती हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जिलों में इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने का निर्देश दिया। योगी ने कहा कि इसके अलावा हर महीने जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक हो, जिसमें पुलिस अधीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

नववर्ष में समृद्धि, विकास के प्रयासों में तेजी आएगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भरोसा जताया कि इस राज्य को समृद्धि और विकास के रास्ते ले जाने के डबल इंजन सरकार के प्रयासों में 2025 में और तेजी आएगी। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रदेश में जारी विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की वजह से इस प्रदेश के लोगों का जीवन स्तर निरंतर सुधर रहा है। उन्होंने कहा, '' गरीब, किसान, युवा और महिलाओं समेत समाज का हर तबका इस डबल इंजन सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश विरासत और विकास को आगे बढ़ाने में सार्थक भूमिका निभा रहा है।''

राजस्थान के कोटपूतली में 10 दिन बाद बोरवेल से बाहर निकाली गई चेतना की मौत

जयपुर : राजस्थान के कोटपूतली के सरुण्ड थाना क्षेत्र में बोरवेल में 150 फुट गहराई में फंसी तीन वर्षीय बच्ची को दस दिन बाद बुधवार को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बड़ियाली की ढाणी में 23 दिसंबर को खेत में खेलते समय चेतना बोरवेल में गिर गई थी तभी से स्थानीय पुलिस तथा प्रशासन की मदद से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम लगातार उसे बाहर निकालने के प्रयास में जुटी थीं। एनडीआरएफ के प्रभारी योगेश मीणा ने संवाददाताओं को बताया कि बुधवार शाम बच्ची को जब बाहर निकाला गया तो वह अचेत अवस्था में थी और उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हो रही थी।

अयोध्या के राम मंदिर और वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अयोध्या/वाराणसी : उत्तर प्रदेश के अयोध्या और वाराणसी में बुधवार को नव वर्ष के मौके पर भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अयोध्या में जहां भगवान राम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी तो वहीं वाराणसी में मंगलवार देर रात तीन बजे से ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ मंदिर के परिसर में जमा होने लगे। अधिकारियों के मुताबिक, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर अयोध्या में दो लाख से अधिक भक्त आ चुके थे और बुधवार सुबह लगभग तीन लाख से अधिक लोग राम लला के दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु राम लला के दर्शन के लिए कतार में खड़े थे और भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शहर को कई सेक्टरों और जोन में विभाजित किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और इस दौरान चौबीसों घंटे वाहनों की जांच की गई।

नागा संन्यासियों को लेकर महाकुम्भ क्षेत्र पहुंचा अटल अखाड़ा

महाकुम्भ नगर : प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ में जन आस्था के केंद्र 13 अखाड़ों का प्रवेश जारी है। इसी क्रम में बुधवार को श्री शंभू पंचदशनाम अटल अखाड़े ने छावनी प्रवेश किया और इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शैव सन्यासी के अखाड़े श्री शंभू पंचदशनाम अटल अखाड़ा ने कुम्भ क्षेत्र में प्रवेश के लिए अपनी भव्य छावनी प्रवेश यात्रा अलोपी बाग स्थिति अखाड़े के स्थानीय मुख्यालय से निकाली जिसमें परंपरा, उत्साह और अनुशासन का खूबसूरत मेल देखने को मिला। अटल अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती की अगुवाई में यह प्रवेश यात्रा निकली गई। सबसे आगे अखाड़े के ईष्ट देवता भगवान गजानन की सवारी और उसके पीछे अखाड़े के परंपरागत देवता रहे। अटल अखाड़े के छावनी प्रवेश में नागा संन्यासियों को देखने के लिए स्थानीय लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इष्ट देवता गणपति के पीछे कतार में नागा सन्यासी चल रहे थे। यह पहला अखाड़ा था जिसमें नागा संन्यासिनियों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। छावनी प्रवेश में एक बाल नागा भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती ने कहा कि छावनी में 20 से अधिक महा मंडलेश्वर और दो सौ से अधिक नागा संन्यासी शामिल रहे।

बिहार: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 1.64 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास 1.64 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति है। कुमार ने अपनी संपत्ति का खुलासा करते हुए यह जानकारी दी। बिहार सरकार की वेबसाइट पर 31 दिसंबर को साझा किए गए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों की संपत्ति के विवरण के अनुसार, कुमार के पास 21,052 रुपये नकद और विभिन्न बैंक खातों में करीब 60,811.56 रुपये जमा हैं। नीतीश कुमार सरकार ने मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों के लिए हर वर्ष के आखिरी दिन अपनी संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया है। खुलासे के अनुसार, कई मंत्री मुख्यमंत्री से ज्यादा अमीर हैं। विवरण में बताया गया कि कुमार के पास कुल चल संपत्ति करीब 16.97 लाख रुपये जबकि 1.48 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। मुख्यमंत्री के पास नयी दिल्ली के द्वारका में एक सहकारी आवास सोसायटी में केवल एक आवासीय फ्लैट है। मुख्यमंत्री के पास 2023 में 16,484,632.69 रुपये की चल और अचल संपत्ति थी। जानकारी के अनुसार, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास 6,70,000 रुपये नकद जबकि उनकी पत्नी कुमारी ममता के पास 5,70,000 रुपये नकद हैं।

झारखंड पुलिस ने 2024 में 244 माओवादी, 154 'गैंगस्टर' गिरफ्तार किए

रांची : झारखंड पुलिस ने दावा किया है कि उसने 2024 में वामपंथी उग्रवाद के खतरे से निपटने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की और उनके प्रमुख नेताओं सहित 244 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि विशेष क्षेत्र समिति (एसएसी) का एक सदस्य, दो जोनल कमांडर, छह उप-जोनल कमांडर और छह क्षेत्र कमांडर को गिरफ्तार किया गया। महानिरीक्षक (आईजी) (अभियान) एवी होमकर ने बताया कि पुलिस ने एसएसी सदस्य जया दी उर्फ चिंता, 10 लाख रुपये के इनामी जोनल कमांडर शंभू गंझू उर्फ रवि गंझू और 10 लाख रुपये के इनामी सीताराम रजवार उर्फ रमन रजवार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि भाकपा (माले) से अलग हुए समूह तृतीय प्रस्तुति समिति (टीपीसी) के कई उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आदेश कुमार गंझू, सबिता शर्मा उर्फ राजा जी और अन्य शामिल हैं। इन उग्रवादियों पर कुल 36 लाख रुपये का इनाम है। पुलिस ने इस साल के दौरान विभिन्न आपराधिक गिरोहों के 154 सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

आगरा के युवक ने लखनऊ के होटल में चार बहनों, मां की हत्या की

लखनऊ : स्तब्ध करने वाली एक घटना में आगरा के 24 वर्षीय युवक ने जमीन से जुड़े विवाद में अपने समुदाय के लोगों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न से परेशान होकर बुधवार की सुबह यहां एक होटल में अपनी चार बहनों और मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी मोहम्मद अरशद को इस दिल दहलाने वाली घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना नाका क्षेत्र में स्थित होटल शरनजीत में घटित हुई। पुलिस उपायुक्त (मध्य लखनऊ) रवीना त्यागी ने कहा कि आरोपी की पहचान अरशद (24) के रूप में हुई जिसने अपने ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान आलिया (9), अलशिया (19), अक्सा (16), रहमीन (18)- सभी अरशद की बहनें और अस्मा (आरोपी युवक की मां) के रूप में हुई है। त्यागी ने बताया कि 24 वर्षीय अरशद आगरा का रहने वाला है और प्रारंभिक पूछताछ से पता चला कि उसने घरेलू विवाद की वजह से यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्रित करने के लिए घटनास्थल पर लगाया गया है और इस मामले की विस्तृत जांच शुरू की गई है। घटनास्थल पर पहुंचे संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) बबलू कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि फारेंसिक टीम साक्ष्य संग्रह करने के लिए सक्रियता के साथ जांच कर रही है और वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा, होटल के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है और किसी भी तथ्य के प्रकाश में आते ही, उसे मीडिया के साथ साझा किया जाएगा। कुमार ने कहा, जहां तक बरामद किए गए शवों का संबंध है, किसी की कलाई पर चोट है तो किसी के गले पर चोट है। चोट के इन निशानों, गवाहों के बयानों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हम इस मामले की विस्तृत जांच करेंगे।

पूरे साल हेल्दी रहे आपका ब्रेन और मेंटल हेल्थ

मस्तिष्क को हमारे शरीर का 'पावरहाउस' कहा जाता है। संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए आपके ब्रेन का स्वस्थ रहना सबसे आवश्यक माना जाता है। तीन पाउंड (डेढ़ किलो) से भी कम वजन वाला ये अंग आपके व्यक्तित्व और सभी यादों को समेटे हुए होता है। मस्तिष्क आपके विचारों, भावनाओं और हरकतों का समन्वय भी करता है। शरीर के किस अंग को किस समय क्या कार्य करना है, आपको किसी बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है इन सभी का निर्धारण आपके मस्तिष्क से ही होता है।

यही कारण है कि मस्तिष्क का स्वस्थ रहना और इसका ठीक तरीके से काम करते रहना बहुत आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस नए साल में सभी लोगों को अपने ब्रेन हेल्थ को ठीक रखने वाले जरूरी उपायों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

आहार और दिनचर्या को ठीक रखते हुए कुछ आदतों से दूरी बनाना आपके ब्रेन को स्वस्थ रखने में मददगार हो सकता है। इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

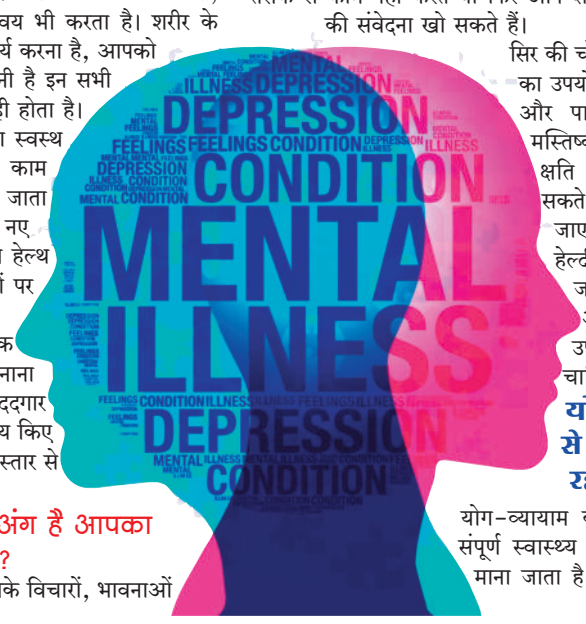

क्यों इतना महत्वपूर्ण अंग है आपका मस्तिष्क?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आपके विचारों, भावनाओं और कार्यों का समन्वय मस्तिष्क के द्वारा ही होता है और यह संभव होता है मस्तिष्क में मौजूद अरबों तंत्रिका कोशिकाओं के कारण। न्यूरॉन्स कही जाने वाली ये कोशिकाएं आपके शरीर के बाकी हिस्सों को सूचना भेजती हैं। अगर इनमें किसी प्रकार की दिक्कत हो जाए तो मांसपेशियां और शरीर के अंग ठीक तरीके से काम नहीं करते या फिर आप शरीर के कुछ हिस्सों की संवेदना खो सकते हैं।

सिर की चोट, नशीली दवाओं का उपयोग और अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे रोग मस्तिष्क कोशिकाओं को क्षति पहुंचाने वाले हो सकते हैं। इससे कैसे बचा जाए तो ब्रेन को कैसे हेल्दी रखा जाए आइए जानते हैं कि आपको आज से ही कौन से उपाय शुरू कर देने चाहिए?

योग-व्यायाम से आपका ब्रेन रहेगा स्वस्थ

योग-व्यायाम की आदत आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जो लोग शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हैं, उनका ब्रेन भी स्वस्थ रहता है और भविष्य में कई प्रकार की बीमारियों का खतरा भी कम होता है। नियमित व्यायाम की आदत शरीर के संतुलन, लचीलापन, शक्ति, ऊर्जा और मनोदशा को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। शोध बताते हैं कि व्यायाम करने से अल्जाइमर रोग जैसी मस्तिष्क संबंधित कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

संपूर्ण स्वाथ्य में सुधार और बीमारियों से बचे रहने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सप्ताह में कम से कम 150 मिनट के व्यायाम का लक्ष्य रखने की सलाह देते हैं।

सिर की सुरक्षा करें

अपने सिर पर चोट लगने से बचें। बाइक-कार चलाते समय सुरक्षात्मक तौर पर हेलमेट-सीटबेल्ट पहनें। खेलते समय भी सिर की सुरक्षा करें। गिरने से बचने का प्रयास करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेन से संबंधित समस्याओं का एक बड़ा कारण सिर में लगने वाली चोट है। इससे बचाव को लेकर सावधानी बरतनी जरूरी है।

धूम्रपान-शराब से बनाएं दूरी

धूम्रपान और शराब मस्तिष्क कोशिकाओं के एक दूसरे के साथ संचार करने के तरीके को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। वे आपके मस्तिष्क की प्रतिक्रिया करने, योजना बनाने, समस्याओं को हल करने की क्षमता पर भी प्रभाव डाल सकते हैं। धूम्रपान की आदत को तंत्रिकाओं के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है। इसलिए धूम्रपान-शराब से बिल्कुल दूरी बनाकर रखा जाना चाहिए।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

लखनऊ स्थित एक अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट डॉ आमिर रिजवी कहते हैं, मोटापा और इससे जुड़ी बीमारियां मौजूदा समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक हैं। जैसे-जैसे आपका वजन बढ़ता जाता है आपमें हृदय रोग, डायबिटीज, और उच्च रक्तचाप जैसी क्रोनिक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। अधिक वजन के कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने लगती है, मांसपेशियों और जोड़ों पर दबाव बढ़ जाता है जिससे गठिया और हड्डियों से संबंधित दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

इन सभी जोखिमों को देखते हुए सभी लोगों को सर्दियों में वजन को कंट्रोल रखने को लेकर अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए।

इन पांच बातों का रखें ध्यान

डॉ आमिर कहते हैं, सर्दियों में वजन बढ़ने से रोकने के लिए सभी लोगों को कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए ये जरूरी है।

- स्वस्थ और पौष्टिक आहार का ही करें सेवन। फलों-सब्जियों, लीन मीट, नट्स और सीड्स जैसे खाद्य पदार्थों के साथ संतुलित आहार लें।
- प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों, ज्यादा चीनी वाली, तली-भुनी और नमक वाली चीजों का सेवन कम करें।
- सर्दियों में भी खूब पानी पीते रहना जरूरी है। दिन में कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पीने का लक्ष्य रखें।
- नियमित व्यायाम जरूर करें। सर्दियों में व्यायाम की कमी के कारण वेट गेन होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।
- पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है। अगर आपकी नींद पूरी नहीं होती है तो इसके कारण भी वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है।

चाहते हैं सेहतमंद रहे आने वाला साल तो दिनचर्या में पहले दिन से ही शामिल कर लें ये आदतें

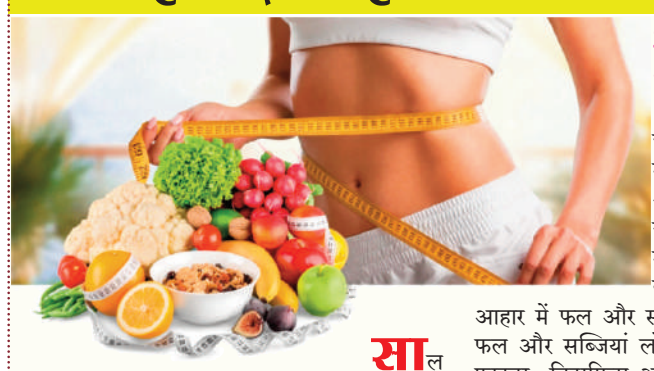

साल 2024 की खट्टी-मीठी यादों को समेट कर हम सभी नए साल में प्रवेश करने जा रहे हैं। सेहत के लिए ये साल कई मामलों में हम सभी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। हृदय रोग-डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों के कारण दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोगों को न सिर्फ स्वास्थ्य संबंधित जटिलताओं का सामना करना पड़ा, साथ ही लाखों लोगों की मौत भी हुई। डेटा से पता चलता है कि अकेले कोरोनरी आर्टरी डिजीज के कारण एक करोड़ से अधिक लोगों की मौत हो गई, वहीं श्वसन संबंधित समस्याओं और लंग्स कैंसर ने 18 लाख से अधिक लोगों की जान ले ली। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये सभी बीमारियां आगे भी जारी रहेंगी इसलिए अगले साल में इससे बचाव को लेकर अभी से सावधान हो जाना चाहिए।

नया साल, नए संकल्प और खुद से नए वादों का भी है। साल 2025 में सेहत को बेहतर बनाने का संकल्प लें। गुड हेल्थ का रेजोल्यूशन आपको भविष्य में कई प्रकार की बीमारियों से बचाए रखने में सहायक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस साल देखी गई तमाम बीमारियों में एक बात जो सबसे कॉमन रही है वो है- बीमारी का गंभीर खतरा उन लोगों में अधिक देखा गया है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर थी। ऐसे में हमें आने वाले वर्षों में सेहत को ठीक रखने के लिए इम्युनिटी को मजबूती देने वाले उपायों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

साल 2025 आपकी सेहत के लिए 'नंबर वन' रहे इसके लिए खुद से ये वादे करें।

वजन घटाने का लक्ष्य बनाएं

वजन घटाने का संकल्प, बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। अपने शरीर के वजन का सिर्फ पांच से दस प्रतिशत कम करने से आपको हृदय रोग, टाइप-2 डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचे रहने में मदद मिल सकती है। वजन कम को करने के लिए दिनचर्या और आहार में कुछ बदलाव करने जरूरी हैं। नियमित व्यायाम की आदत इसमें सबसे आवश्यक है। आप कुछ प्रकार के खास डाइट को भी अपना सकते हैं जो न सिर्फ वेट लॉस में सहायक होते हैं साथ ही कई गंभीर रोगों से बचाने में भी मदद करते हैं।

आहार में सुधार पर दें ध्यान

नए साल में अच्छी सेहत चाहते हैं तो इसके लिए आहार में सुधार करने पर ध्यान देना भी आपके लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। स्वस्थ आहार का मतलब आप क्या खाते हैं और कैसे खाते हैं। हर दिन अपने आहार में फल और सब्जियों को जरूर शामिल करें। फल और सब्जियां लो-कैलोरी वाली होने के साथ फाइबर, विटामिन्स और खनिजों से भरपूर होती हैं। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ आपको पेट भरा होने का एहसास कराते हैं जो वजन घटाने में सहायक है। इतना ही नहीं हाई फाइबर वाली चीजें कोलेस्ट्रॉल-शुगर को बढ़ने से भी रोकती हैं।

हरी सब्जियों के साथ आहार में नट्स-सीड्स को शामिल करके एंटीऑक्सीडेंट्स प्राप्त किया जा सकता है जो कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाए रखने में मददगार होती हैं।

बैठें कम-चलें ज्यादा

तमाम अध्ययन इस बात को लेकर अलर्ट करते रहे हैं कि दुनियाभर में तेजी से बढ़ती बीमारियों के लिए शारीरिक निष्क्रियता बड़ा कारण है। जिन लोगों के दिन का अधिकतर समय बैठे-बैठे या आराम करते हुए बीत जाता है उनमें चलते रहने वाले लोगों की तुलना में ब्लड प्रेशर-कोलेस्ट्रॉल सहित कई अन्य स्वास्थ्य विकारों का खतरा अधिक हो सकता है। इसलिए साल 2025 में दिनचर्या में ये मंत्र शामिल करें- 'बैठें कम-चलें ज्यादा'।

दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि को बढ़ाने का लक्ष्य रखें। लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें, पास के किसी जगह पर जाने के लिए गाड़ी के बजाय पैदल जाएं। दिनभर में कम से कम 10 हजार कदम चलने का लक्ष्य रखें। अगर आप दिनभर ऑफिस में रहते हैं तो थोड़ी-थोड़ी देर पर सीट से उठकर वॉक जरूर करें। ये आदत आपकी सेहत में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करेगी।

सालाना हेल्थ चेकअप कराएं

डॉक्टर कहते हैं, बीमारियों के बढ़ने और इसके गंभीर रूप लेने का एक बड़ा कारण इसका समय पर निदान न होना है। अगर हम सभी एक नियमित अंतराल पर सेहत की जांच कराते रहें तो छोटी-मोटी स्वास्थ्य बीमारियों को बड़ी समस्या बनने से पहले पहचानने में मदद मिल सकती है। जब बीमारी का जल्दी पता चल जाता है, तो उपचार अक्सर ज्यादा प्रभावी और आसान हो जाता है।

शुगर और ब्लड प्रेशर की घर पर ही नियमित रूप से जांच करते रहें, इसके लिए घर पर ही मशीन रखें। आपके लिए कौन-कौन से टेस्ट जरूरी हैं और उनकी आपकी सेहत के हिसाब से कितने अंतराल पर कराना चाहिए इस बारे में अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सर्दियों में क्यों बढ़ने लगता है वजन, इसे कंट्रोल रखने के लिए क्या करें?

वजन बढ़ने को सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक माना जाता है, ये कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों को बढ़ाने वाला हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों का वजन अधिक होता है उनमें कम या सामान्य वजन वालों की तुलना में हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, टाइप-2 डायबिटीज सहित कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा भी अधिक हो सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। कहीं आप भी तो अधिक वजन या मोटापे का शिकार नहीं हैं?

आहार और पोषण विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों में सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल रखने के लिए और अधिक ध्यान देते रहना चाहिए। इस मौसम में खान-पान के कई स्वादिष्ट विकल्प उपलब्ध होते हैं। मीठे और हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ तो वजन बढ़ाते ही है साथ ही सर्दियों में आमतौर पर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, इसके कारण भी आपका वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

आइए जानते हैं कि इस मौसम में वजन को कंट्रोल में रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना और क्या प्रयास करना आवश्यक है?

सर्दियों में क्यों बढ़ने लगता है वजन?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान के अलावा कई और भी स्थितियां हैं जो आपके वजन को बढ़ा सकती हैं। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए आपको अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इस दौरान हमारा मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे भूख भी बढ़ने लगती है। चूंकि सर्दियों में वसायुक्त, मीठी और हाई कैलोरी वाली चीजें अधिक खाई जाती हैं जो आपको वेट को बढ़ाने लगती हैं।

इसके अलावा ठंड के कारण लोग बाहर निकलने और व्यायाम करने से भी कतराते हैं। शारीरिक गतिविध कम होने के कारण ठीक तरीके से कैलोरी बर्न नहीं हो पाती है जिसके कारण भी आप इस मौसम में वेट गेन करने लगते हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 11 बांग्लादेशियों को उनके देश वापस भेजा

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 11 बांग्लादेशियों को उनके देश वापस भेज दिया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि महिपालपुर में एक अभियान के दौरान पाया गया कि बांग्लादेश के 11 नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के होटल में ठहरे हुए थे। उन्होंने बताया, ''पर्यटक वीजा की तय अवधि से अधिक समय तक भारत में रहने के लिए पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उन्हें विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय को सौंप दिया गया, जहां से उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दिया।'' अधिकारी ने बताया कि सभी की आयु 21 से 48 वर्ष के बीच थी तथा कुमिला, गाजीपुर, ढाका और सुनामगंज समेत बांग्लादेश के विभिन्न जिलों के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि बांग्लादेशियों ने पर्यटक वीजा पर भारत में प्रवेश करने और अवधि समाप्त होने के बाद भी दिल्ली में रहने की बात स्वीकार की।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने 10 बारूदी सुरंग को नष्ट किया

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों द्वारा बिछाई गईं 10 बारूदी सुरंग को नष्ट कर दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अलग-अलग स्थानों से सुरक्षाबलों ने 10 बारूदी सुरंगों को बरामद किया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में आठ बारूदी सुरंग बरामद कीं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों को आज बासागुड़ा थाना क्षेत्र में गश्त पर रवाना किया गया था। इस दल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जिला बल के जवान शामिल थे। उनके मुताबिक, जब वे तिमापुर दुर्गा मंदिर के करीब थे तब उन्हें पगडंडी में बिछाई गईं आठ बारूदी सुरंग की जानकारी मिली। बाद में सुरक्षाबलों ने सभी बारूदी सुरंग को बरामद कर नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह जिले में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के दल ने तर्रेम थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोंडापल्ली और छुटवाई गांव के मध्य बंदलएलका नाला के करीब तीन-तीन किलोग्राम के दो प्रेशर बम बरामद किए। बाद में बमों को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि माओवादियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए मार्ग पर सीरीज में बम लगाए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

रोपवे परियोजना के खिलाफ एक सप्ताह के बंद के बाद कटरा में सामान्य स्थिति बहाल

कटरा/जम्मू : जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ सात दिन के बंद के बाद बुधवार को कटरा में सामान्य व्यावसायिक गतिविधियां बहाल हो गईं। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए 18 लोगों को भी रिहा कर दिया गया, जिसके बाद कटरा में रात भर जश्न मनाया गया। एक अधिकारी ने कहा, ''एक सप्ताह के बंद के बाद सभी दुकानें, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान फिर से खुल गए जबकि वाहनों की आवाजाही भी बहाल हो गई, जिससे तीर्थयात्रियों को राहत मिली।'' सामान्य स्थिति बहाल होने के साथ ही साल के पहले दिन सैकड़ों तीर्थयात्री गुफा मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ पड़े तथा कटरा और भवन के प्रवेश द्वारों पर लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। पुणे निवासी सुरेश कदम ने कहा, ''हम बहुत खुश हैं कि बंद समाप्त हो गया। इससे हमें काफी असुविधा हो रही थी। हम नए साल के पहले दिन यहां पूजा-अर्चना करने आए हैं।'' श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने पिछले बुधवार को बंद का आह्वान करते हुए घोषणा की थी कि कटरा में सभी गतिविधियां बंद रहेंगी। समिति के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद मंगलवार को सातवें दिन भी सभी दुकानें, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे तथा सड़कों से वाहन नदारद रहे।

रक्षा मंत्रालय ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया

नयी दिल्ली : भारत ने बुधवार को 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया और कहा कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है। रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये सुधार देश की रक्षा तैयारियों में ''अभूतपूर्व'' प्रगति की नींव रखेंगे और 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करेंगे। सैन्य कमान को लेकर रक्षा मंत्रालय की यह योजना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे 2025 में सुधार उपायों को लागू करने की योजना का संकेत मिलता है। एकीकृत सैन्य कमान मॉडल के तहत सरकार सेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को एकीकृत करना चाहती है तथा युद्ध एवं अभियानों के दौरान उनके संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहती है। एकीकृत सैन्य कमान योजना के अनुसार, प्रत्येक सैन्य कमान में सेना, नौसेना और वायु सेना की इकाइयां होंगी और ये सभी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में सेना, नौसेना और वायु सेना के अलग अलग कमान हैं। सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में वर्ष 2025 को सुधार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। मंत्रालय ने कहा कि 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), 'मशीन लर्निंग', 'हाइपरसोनिक' और 'रोबोटिक्स' जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा, ''सुधार का वर्ष सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।'' मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा और भविष्य के सुधारों को गति देने के लिए सर्वसम्मति से 2025 को 'सुधारों के वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के तीन जनवरी को सावरकर के नाम पर डीयू के नए कॉलेज की आधारशिला रखने की संभावना

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन जनवरी को पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दो नए परिसरों और वीर सावरकर के नाम पर एक कॉलेज की आधारशिला रखने की संभावना है। विश्वविद्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। डीयू की कार्यकारी परिषद द्वारा 2021 में अनुमोदित सावरकर कॉलेज नजफगढ़ में 140 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया है तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से इस संबंध में पुष्टि मिलने की प्रतीक्षा की जा रही है। सूरजमल विहार में प्रस्तावित पूर्वी परिसर की स्थापना 373 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की जाएगी जबकि द्वारका में पश्चिमी परिसर की स्थापना पर 107 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

बांग्लादेश से अल्पसंख्यक हिंदू नहीं बल्कि 'बहुसंख्यक' समुदाय के सदस्य भारत आ रहे: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि हाल के महीनों में बांग्लादेश से राज्य में आने वाले लोगों में ज्यादातर पड़ोसी देश के ''बहुसंख्यक समुदाय'' के लोग हैं, न कि वहां के अल्पसंख्यक हिंदू। उन्होंने दावा किया कि जो लोग अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे हैं, वे मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में कपड़ा उद्योग के श्रमिक हैं, जो वहां संकट के बाद खराब स्थिति में हैं और वे उसी क्षेत्र में काम करने के लिए तमिलनाडु जाना चाहते हैं। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल द्रमुक की सरकार है। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, ''बांग्लादेश की स्थिति ने वहां के कपड़ा उद्योग को बर्बाद कर दिया है। वहां के बहुसंख्यक सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि वे तमिलनाडु के कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे हैं और ''इन उद्योगों के मालिक उन्हें सस्ते श्रम के लिए आने को प्रोत्साहित कर रहे हैं।'' शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक अत्याचारों का सामना करने के बावजूद वहां से यहां आने का प्रयास नहीं कर रहे, संभवतः इसलिए क्योंकि वे ''बहुत देशभक्त'' हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (बांग्लादेशी हिंदुओं) बहुत परिपक्व तरीके से व्यवहार किया है और पिछले पांच महीने के दौरान कोई भी बांग्लादेशी हिंदू असम नहीं आया है।''

एयर मार्शल मिश्रा ने भारतीय वायुसेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली : एयर मार्शल जीतेन्द्र मिश्रा ने बुधवार को भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान के प्रमुख का कार्यभार संभाला। पश्चिमी वायु कमान संवेदनशील लद्दाख सेक्टर के साथ-साथ उत्तर भारत के कुछ अन्य हिस्सों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा संभालती है। भारतीय वायुसेना के अनुसार, प्रायोगिक परीक्षण पायलट एयर मार्शल मिश्रा के पास तीन हजार घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। वह एयर मार्शल पंकज मोहन सिन्हा का स्थान लेंगे, जो 39 वर्षों से अधिक की विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। एयर मार्शल मिश्रा को छह दिसंबर, 1986 को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) में लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, वायु सेना परीक्षण पायलट स्कूल, बेंगलुरु, 'एयर कमांड एंड स्टाफ कॉलेज', अमेरिका और 'रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज', ब्रिटेन के पूर्व छात्र हैं। अपने 38 वर्षों से अधिक के सेवा करियर में, एयर मार्शल ने महत्वपूर्ण कमान और कर्मियों की नियुक्तियां की हैं। अपनी नई नियुक्ति से पहले वह एकीकृत रक्षा स्टाफ (संचालन) के उप प्रमुख थे।

भाजपा दिल्ली में पूजा स्थलों को ध्वस्त करने की साजिश रच रही है : मुख्यमंत्री आतिशी

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय राजधानी में मंदिरों और एक बौद्ध धार्मिक स्थल को ध्वस्त करने की साजिश रच रही है तो दूसरी ओर आम आदमी पार्टी (आप) ने पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपये मासिक मानदेय देने का वादा किया है। आतिशी ने मंगलवार को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर दावा किया था कि सक्सेना के अधीन एक 'धार्मिक समिति' ने 22 नवंबर को अपनी बैठक में दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों और एक बौद्ध पूजा स्थल समेत छह धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। उपराज्यपाल कार्यालय ने मंगलवार को लगाए मुख्यमंत्री के आरोप का खंडन करते हुए उन पर ''ओछी राजनीति'' करने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि किसी भी पूजा स्थल को ध्वस्त नहीं किया जा रहा है, क्योंकि इस संबंध में कोई फाइल उनके पास नहीं आई है। बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आतिशी ने उपराज्यपाल कार्यालय के खंडन को ''पूरी तरह गलत'' करार दिया और धार्मिक समिति की बैठक की कार्रवाई की एक प्रति दिखाई। उन्होंने दावा किया, ''समिति के आदेश की फाइल भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के प्रतिनिधि उपराज्यपाल को भेजी गई थी। उपराज्यपाल ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है।''

महाराष्ट्र में खत्म होने के करीब है नक्सलवाद: फडणवीस

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र) : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में वृद्धि और नये लोगों के नक्सली संगठनों में शामिल नहीं होने के चलते राज्य जल्द ही नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। फडणवीस ने गढ़चिरौली में संवाददाताओं से कहा कि गढ़चिरौली जिले के दूरदराज इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव कम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''नक्सलवाद अब समाप्ति के करीब है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने माओवादियों के प्रभाव को खत्म करके गढ़चिरौली को ''पहला जिला'' बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़चिरौली को अक्सर महाराष्ट्र का अंतिम जिला कहा जाता है क्योंकि यह राज्य की पूर्वी सीमा पर स्थित है। फडणवीस ने विदर्भ क्षेत्र में स्थित जिले में 32 किलोमीटर लंबे गट्टा-गरदेवाडा-वांगेतुरी मार्ग और वांगेतुरी-गरदेवाडा-गट्टा-अहेरी मार्ग पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस सेवाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़चिरौली सरकार के लिए (प्राथमिकता सूची में) अंतिम नहीं, बल्कि ''पहला जिला'' है। उन्होंने कहा कि आज जिस सड़क संपर्क का उद्घाटन किया गया है, वह महाराष्ट्र को सीधे छत्तीसगढ़ से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, क्षेत्र नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो रहा है और लोगों को आजादी के 75 साल बाद एमएसआरटीसी बस सेवाएं मिल रही हैं। फडणवीस ने नक्सलवाद के खिलाफ गढ़चिरौली पुलिस के काम की सराहना की और कहा कि लोग अब नक्सलियों का समर्थन नहीं करते और ना ही कोई व्यक्ति प्रतिबंधित नक्सली संगठन में शामिल होना चाहता है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण है।''

भारत, पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया

नयी दिल्ली : तीन दशक से अधिक समय से जारी सिलसिले को बरकरार रखते हुए भारत और पाकिस्तान ने एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का बुधवार को आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले को रोकने संबंधी एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ। इसने कहा कि नयी दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच राजनयिक माध्यम से सूची का आदान-प्रदान एक साथ किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान ने आज राजनयिक माध्यम से नयी दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया।'' इस सूची का आदान-प्रदान कश्मीर मुद्दे के साथ-साथ सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में गतिरोध के बीच हुआ है। समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए थे और 27 जनवरी, 1991 को यह लागू हुआ। समझौते के तहत दोनों देशों के बीच, हर वर्ष की पहली जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों के बारे में एक-दूसरे को सूचित करने का प्रावधान है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह दोनों देशों के बीच ऐसी सूचियों का लगातार 34वां आदान-प्रदान है। इस सूची का पहला आदान-प्रदान एक जनवरी, 1992 को हुआ था।''

न्यूज अपडेट

महाराष्ट्र: भारत में अवैध रूप से रह रहे 16 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई/ठाणे : महाराष्ट्र पुलिस ने मुंबई, ठाणे और राज्य के तीन अन्य जिलों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के 16 नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के तहत महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने स्थानीय पुलिस की मदद से पिछले चार दिनों में मुंबई, नासिक, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर से बांग्लादेश के नौ नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों में आठ पुरुष और एक महिला शामिल हैं, जिन्होंने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनवाए हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत पांच मामले दर्ज किए हैं। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही एटीएस ने विशेष अभियान के तहत पिछले महीने 19 मामलों में 43 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ठाणे जिले में एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को मनकोली क्षेत्र में प्रेरणा कॉम्प्लेक्स स्थित एक गोदाम पर छापा मारा और वहां बांग्लादेश के सात व्यक्तियों को काम करते हुए पाया।

कुंभ मेले से ठीक पहले प्रयागराज में तापमान के सामान्य से नीचे गिरने का अनुमान: आईएमडी

नयी दिल्ली : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि कुंभ मेले की शुरुआत से पहले नौ जनवरी के बाद प्रयागराज में तापमान के सामान्य से नीचे जाने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विभाग कुंभ मेले के लिए विशेष मौसम अपडेट उपलब्ध कराएगा। इस मेले का 14 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजन होगा। उन्होंने कहा, हम विस्तृत जानकारी एकत्र कर रहे हैं और सटीक पूर्वानुमान के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कुंभ मेले के मौसम संबंधी अपडेट के लिए एक समर्पित वेबपेज भी विकसित किया जा रहा है। महापात्र ने कहा कि प्रयागराज में नौ जनवरी तक सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, लेकिन उसके बाद न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बिना पहचान प्रमाण के एचआईवी संक्रमित 'ट्रांसवुमन' का इलाज करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के लोकनायक अस्पताल को निर्देश दिया कि वह पहचान प्रमाण मांगे बिना एचआईवी संक्रमित एक 'ट्रांसवुमन' का इलाज करे। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने 'ट्रांसवुमन' की याचिका पर दिल्ली सरकार और केंद्र को नोटिस जारी किया तथा उसके पुनर्वास और आश्रय के लिए निर्देश जारी किए। अदालत ने 24 दिसंबर को कहा, ''नोटिस जारी करें... इस आदेश के माध्यम से प्रतिवादी संख्या 4 (लोक नायक अस्पताल, नयी दिल्ली) को याचिकाकर्ता की जांच करने का निर्देश जारी किया जाता है और यदि उसे किसी उपचार की आवश्यकता हो, तो यह उसे पहचान दस्तावेजों की परवाह किए बगैर उपलब्ध कराया जाए।'' याचिकाकर्ता ने कहा कि जब वह नाबालिग थी तो एक मानव तस्कर ने उसका अपहरण कर लिया था और उसका यौन शोषण किया था तथा लोकनायक अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे इलाज के लिए भर्ती होने का सुझाव दिया था। अदालत ने केंद्र सरकार को यह बताने का निर्देश दिया कि क्या उसके पुनर्वास के लिए उसे कोई कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकता है। इसने संबंधित अधिकारियों से उसकी स्वास्थ्य स्थिति और दिल्ली में गिरते तापमान को ध्यान में रखते हुए उसके लिए उपयुक्त आश्रय खोजने को कहा।

मधुबनी में तेज रफ्तार एसयूवी ने पैदल यात्रियों को टक्कर मारी, पांच वर्षीय की बच्ची की मौत

मधुबनी/रोहतास : बिहार के मधुबनी जिले में बुधवार को एक तेज रफ्तार 'स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स' (एसयूवी) ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी, जिससे पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बलुआ इलाके में हुई इस दुर्घटना में चार लोग घायल हो गए। उसने बताया कि घटना के तुरंत बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। रोहतास जिले में एक अलग घटना में मोटरसाइकिल के फिसलकर सड़क किनारे नहर में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के सूर्यपुरा इलाके में हुई। सूर्यपुरा की थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार, अंकित कुमार और शशि रंजन के रूप में हुई है।

सनातन धर्म पर दिए अपने बयान पर कायम हूं: केरल के मुख्यमंत्री विजयन

तिरुवनंतपुरम : केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने संत-समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के समर्थक के रूप में चित्रित करने के ''संगठित प्रयासों'' के खिलाफ चेतावनी वाले अपने बयान को बुधवार को एक बार फिर दोहराया। विजयन ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने सनातन धर्म के बारे में जो भी कहा उस पर कायम हूं। विजयन से मंगलवार को शिवगिरि तीर्थ सम्मेलन में उनके द्वारा दिए गए बयान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा की रही आलोचना के बारे में पूछा गया था। विजयन ने शिवगिरि में सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि लोगों के लिए 'एक जाति, एक धर्म और एक ईश्वर' की वकालत करने वाले गुरु न तो सनातन धर्म के प्रवक्ता थे और न ही इसके अनुयायी, बल्कि वह एक संत हैं जिन्होंने सनातन धर्म का पुनर्निर्माण किया और नए युग के अनुरूप उपयुक्त धर्म की घोषणा की। मुख्यमंत्री के बयान पर भाजपा ने प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने शिवगिरि की पवित्र भूमि पर अपनी टिप्पणी के माध्यम से सनातन धर्म और श्री नारायण गुरु के अनुयायियों का अपमान किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता वी मुरलीधरन ने कहा, शिवगिरि सम्मेलन में विजयन के भाषण का सार यह था कि सनातन धर्म से घृणा की जानी चाहिए। उनकी टिप्पणी उदयनिधि स्टालिन के उस बयान के क्रम में थी जिसमें द्रमुक नेता ने कहा था कि सनातन धर्म को मिटा दिया जाना चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर में लाखों लोगों ने किये दर्शन

पुरी : नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को लाखों लोगों ने भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लेने के लिए जगन्नाथ मंदिर में दर्शन किये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जगन्नाथ मंदिर का निर्माण 12वीं सदी में किया गया था। मंदिर की ओर जाने वाले 'ग्रैंड रोड' पर मार्केट चौक से लेकर मंदिर के सिंह द्वार (सिंह द्वार) तक भक्तों की एक किलोमीटर से अधिक लंबी कतार देखी गई। पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल ने बताया, पुलिस सभी तीर्थयात्रियों के लिए एक सुरक्षित और सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। अधिकारी ने बताया कि मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और दर्शन के लिए 70 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान) तैनात किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि मंदिर के बाहर और परिसर में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने बताया कि श्रद्धालुओं को मंदिर में केवल पूर्व दिशा में सिंह द्वार से प्रवेश की अनुमति है और उन्हें तीन अन्य द्वारों से बाहर निकलने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंगलवार देर रात एक बजकर पांच मिनट पर मंदिर का द्वार खोल दिया गया और तब से श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चिकित्सा से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

नौसेना में दो युद्धपोत, एक पनडुब्बी को 15 जनवरी को किया जाएगा शामिल

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना में 15 जनवरी को स्वदेश निर्मित दो युद्धपोतों और एक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी को शामिल किया जाएगा। इससे बल की समग्र प्रतिरोधक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि तीनों प्लेटफॉर्म - निर्देशित मिसाइल विध्वंसक सूरत, स्टील्थ फ्रिगेट नीलगिरि और पनडुब्बी वाग्शीर - नवीनतम हथियारों और सेंसरों से लैस हैं। युद्धपोत और पनडुब्बी को मुंबई में नौसेना डॉकयार्ड में एक समारोह में सेवा में शामिल किया जाएगा। दोनों युद्धपोतों में महिला अधिकारियों और नाविकों की एक बड़ी संख्या के लिहाज से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कि भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की लड़ाकू भूमिकाओं में लैंगिक समावेशन की दिशा में उठाए गए कदमों के अनुरूप है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा, साथ ही इससे स्वदेशी जहाज निर्माण में देश की प्रमुख स्थिति रेखांकित होगी।'' तीनों प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो रक्षा उत्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। नौसेना ने एक बयान में कहा, ''इन उन्नत युद्धपोतों और पनडुब्बियों को सफलतापूर्वक सेवा में शामिल करना युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में तेज प्रगति को दर्शाता है, जो रक्षा निर्माण में भारत की स्थिति को मजबूत करता है।'' नीलगिरि, 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत बनाए जा रहे सात फ्रिगेट में से पहला है, जिसमें महत्वपूर्ण स्टेल्थ विशेषताएं हैं। प्रोजेक्ट 15बी विध्वंसक, सूरत, कोलकाता-क्लास (प्रोजेक्ट 15ए) विध्वंसकों के अनुवर्ती वर्ग की परिणति है और इसमें डिजाइन और क्षमताओं में पर्याप्त सुधार किये हैं।

वर्ष 2023-24 में विद्यालय में दाखिले में 37 लाख की कमी: शिक्षा मंत्रालय का आंकड़ा

नयी दिल्ली : पूरे देश के विद्यालयों में 2023-24 में दाखिला पिछले वर्ष की तुलना में 37 लाख कम हुआ है। यह जानकारी शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई डेटा से मिली है। शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) प्लस एक डेटा एकत्रीकरण मंच है। शिक्षा मंत्रालय देश भर से स्कूली शिक्षा के आंकड़ों को एकत्र करने के लिए इसका प्रबंधन करता है। वर्ष 2022-23 में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 25.17 करोड़ थी, जबकि 2023-24 के लिए यह संख्या 24.80 करोड़ है। समीक्षाधीन अवधि में छात्राओं की संख्या में 16 लाख की कमी आई, जबकि छात्रों की संख्या में 21 लाख की कमी आई। दाखिला लेने वालों में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व लगभग 20 प्रतिशत रहा। अल्पसंख्यकों में 79.6 प्रतिशत मुस्लिम, 10 प्रतिशत ईसाई, 6.9 प्रतिशत सिख, 2.2 प्रतिशत बौद्ध, 1.3 प्रतिशत जैन और 0.1 प्रतिशत पारसी थे। राष्ट्रीय स्तर पर, यूडीआईएसई प्लस में पंजीकृत 26.9 प्रतिशत छात्र सामान्य श्रेणी से, 18 प्रतिशत अनुसूचित जाति से, 9.9 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति से और 45.2 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से थे। यूडीआईएसई प्लस ने विशिष्टता स्थापित करने के लिए 2023-24 से स्वैच्छिक आधार पर छात्र-छात्राओं के आधार नंबर के साथ-साथ उनके डेटा को एकत्रित करने का प्रयास किया। 2023-24 तक कुल मिलाकर, 19.7 करोड़ से अधिक छात्रों ने आधार नंबर उपलब्ध कराये। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डेटा में पिछले वर्षों की तुलना में कुछ वास्तविक बदलाव देखे गए हैं, क्योंकि अलग-अलग छात्र आधार बनाए रखने की यह कवायद 2021-22 या उससे पहले के वर्षों से पूरी तरह अलग, अनोखी और अतुलनीय है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''व्यक्तिगत छात्र-वार डेटा शिक्षा प्रणाली की एक यथार्थवादी और अधिक सटीक तस्वीर को दर्शाता है, जिसका प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार किया जा रहा है, जो 2021-22 तक एकत्र किए गए स्कूल-वार समेकित डेटा से अलग है। इसलिए, डेटा विभिन्न शैक्षिक संकेतकों जैसे जीईआर, एनईआर, 'ड्रॉपआउट' (पढ़ाई बीच में छोड़ने) की दर आदि पर पिछली रिपोर्ट से कड़ाई से तुलनीय नहीं है।'' सकल पंजीकरण अनुपात (जीईआर) शिक्षा के एक विशिष्ट स्तर में पंजीकरण की तुलना उस आयु-समूह की आबादी से करता है, जो आयु के लिहाज से उस शिक्षा स्तर के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है।

न्यूज इन ब्रीफ

दूरसंचार कंपनियों का कुल राजस्व सितंबर तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली: दूरसंचार कंपनियों का कुल राजस्व सालाना आधार पर सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 91,426 करोड़ रुपये रहा है। यह वह अवधि है, जब मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने शुल्क दरें बढ़ायी थीं। दूरसंचार नियामक ट्राई की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की कंपनियों प्रदर्शन के बारे में संकेत देने वाली तिमाही रिपोर्ट के अनुसार, समायोजित सकल राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 75,310 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 66,583 करोड़ रुपये था। समायोजित सकल राजस्व पर सरकार अपने शुल्क की गणना करती है। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया ने अपनी मोबाइल सेवाओं की दरों में 11-25 प्रतिशत की वृद्धि की है। शुल्क दर में वृद्धि के बाद कंपनियों ने प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) में वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, इससे कंपनियों ने ग्राहक भी गंवाये।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल वाहन बिक्री दिसंबर में 16 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली: वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) की दिसंबर, 2024 में कुल वाहन बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 69,768 इकाई हो गई। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दिसंबर महीने के बिक्री आंकड़ों की सूचना दी। दिसंबर, 2023 में कंपनी ने कुल 60,188 वाहन बेचे थे। एमएंडएम के अध्यक्ष (वाहन खंड) विजय नाकरा ने कहा कि पिछले महीने कंपनी ने 41,424 यात्री वाहनों की बिक्री की जो एक साल पहले की समान अवधि के 35,174 के आंकड़े की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। नाकरा ने कहा, 'वर्ष 2024 का समापन हमारे लिए शानदार रहा। हम वाहन क्षेत्र में डाऊ जोंस सस्टेनेबिलिटी सूचकांक का वैश्विक अगुवा दर्जा पाने वाली इकलौती भारतीय कंपनी बन गए।'

भारतीय यात्री वाहन बाजार में 2024 में रिकॉर्ड 43 लाख गाड़ियां की बिक्री

नयी दिल्ली: भारतीय यात्री वाहन बाजार ने वर्ष 2024 में 43 लाख इकाइयों की रिकॉर्ड थोक बिक्री दर्ज की है। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया, हुंदै, टाटा मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और किआ जैसी प्रमुख कंपनियों ने अपनी अबतक की सबसे ऊंची सालाना बिक्री दर्ज की। एसयूवी की निरंतर वृद्धि, साथ ही ग्रामीण बाजारों ने कार बिक्री बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे उद्योग वर्ष 2023 में अर्जित लगभग 41.1 लाख इकाई की बिक्री के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने में सफल रहा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआई) के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने वर्ष 2024 में समग्र यात्री वाहन थोक बिक्री के बारे में पूछे जाने पर पीटीआई-भाषा को बताया, ''पिछले कैलेंडर वर्ष में यह 41,09,000 लाख इकाइयों के करीब था, जबकि कैलेंडर वर्ष 2024 में यह लगभग 43 लाख इकाई का है। इसलिए, यह लगभग 4.5 प्रतिशत से 4.7 प्रतिशत की वृद्धि है।' उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी ने खुद वर्ष 2024 में अपनी अबतक की सबसे अधिक थोक और खुदरा बिक्री दर्ज की है। बनर्जी ने कहा, 'हमने छह साल बाद वर्ष 2024 में 17,90,977 इकाइयों के साथ अबतक की सबसे अधिक वार्षिक थोक बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो वर्ष 2018 में दर्ज 17,51,919 इकाइयों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर बनाता है।'' उन्होंने कहा कि खुदरा क्षेत्र में भी कंपनी ने वर्ष 2024 में 17,88,405 इकाइयों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की, जिसने वर्ष 2023 में बेची गई 17,26,661 इकाइयों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बनर्जी ने कहा, 'वास्तव में हमारी ग्रामीण बिक्री ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। दिसंबर के महीने में, ग्रामीण (बिक्री) में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है... साथ ही तीसरी तिमाही में, अच्छे मानसून और अच्छे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की बदौलत ग्रामीण विकास काफी अच्छा रहा है। इनसे ग्रामीण बाजार में विकास के मामले में वास्तव में मदद मिली है।' दिसंबर 2024 में, मारुति की कुल घरेलू यात्री वाहन बिक्री 1,30,117 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1,04,778 इकाई थी, जो 24.18 प्रतिशत अधिक की वृद्धि है। मारुति की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने भी वर्ष 2024 में 6,05,433 इकाइयों की अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक घरेलू बिक्री दर्ज की, जो वर्ष 2023 के 6,02,111 इकाइयों से मामूली रूप से अधिक है। कंपनी की दिसंबर की घरेलू बिक्री 42,208 इकाई थी, जबकि दिसंबर, 2023 में यह 42,750 इकाई रही थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, 'पीवी उद्योग ने वर्ष 2024 में मध्यम वृद्धि दर्ज की और एसयूवी खंड में मजबूत वृद्धि और उत्सर्जन-अनुकूल पावरट्रेन के लिए निरंतर आकर्षण के साथ 43 लाख इकाई की बिक्री मात्रा को छूने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स के लिए वर्ष 2024 में 5.65 लाख इकाई की बिक्री के साथ सबसे अधिक वार्षिक बिक्री का लगातार चौथा वर्ष रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी 'पीवी उद्योग के दृष्टिकोण के बारे में आशावादी' बनी हुई है। दिसंबर, 2024 में कंपनी ने कुल पीवी बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह 44,289 इकाई रही। एक अन्य वाहन निर्माता, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भी वर्ष 2024 में 3,26,329 इकाई की अपनी अबतक की सर्वश्रेष्ठ कैलेंडर वर्ष बिक्री दर्ज की। यह 2023 में बेची गई 2,33,346 इकाई की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक थी। इसी तरह, किआ इंडिया ने वर्ष 2024 में 2,55,038 इकाइयों की कुल बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो इसकी अबतक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है।

शेयर बाजार में नए साल के पहले दिन तेजी; सेंसेक्स 368 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,700 अंक के पार

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजार में नये साल के पहले दिन तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 368 अंक से अधिक बढ़कर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 23,700 अंक के पार निकल गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। बीएसई के 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स में दो दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और यह साल 2025 के पहले दिन 368.40 अंक यानी 0.47 प्रतिशत चढ़कर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 617.48 अंक तक उछल गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 98.10 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,742.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में मारुति में सबसे अधिक 3.26 प्रतिशत का लाभ रहा। इसका कारण कंपनी की थोक बिक्री में वृद्धि है। यह दिसंबर में 30 प्रतिशत बढ़कर 1,78,248 इकाई रही। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

नये साल के पहले दिन सोना मजबूत, चांदी ने भी जलवा दिखाया

नयी दिल्ली: स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली के कारण बुधवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना 440 रुपये बढ़कर 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस तरह नए साल की शुरुआत मजबूत रही। मंगलवार को सोने का भाव 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 440 रुपये बढ़कर 78,840 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 78,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, 'क्रिसमस की छुट्टियों के कारण इस सप्ताह अबतक सोने की कीमतें नरम दायरे में कारोबार कर रही हैं और बाजार प्रतिभागी अगले कदम के लिए और अधिक मौलिक संकेतों की तलाश कर रहे हैं।'' बुधवार को चांदी भी 800 रुपये उछलकर 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

जैविक उपज की गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था मजबूत करे एनओसीएल: अमित शाह

नयी दिल्ली: सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एनसीओएल) को अपने 'भारत ऑर्गेनिक्स' ब्रांड के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मजबूत करने और उचित मूल्य निर्धारण करने का निर्देश दिया। देशभर में जैविक खेती के विस्तार के मकसद से यह कदम उठाया गया है। शाह ने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) से जैविक मिशन के साथ एकीकृत होने का आग्रह किया और भारत ऑर्गेनिक्स लेबल के तहत सभी उत्पादों की अनिवार्य गुणवत्ता परीक्षण का आह्वान किया। शाह ने एनसीओएल अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान कहा, ''किसानों को उनकी जैविक उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए ताकि वे इसे बढ़ावा देने के लिए प्रेरित हो सकें।'' मंत्रालय, एनसीओएल के साथ जैविक आटे और दालों के लिए मूल्य निर्धारण प्रणाली स्थापित करने के लिए डेयरी क्षेत्र की सहकारी संस्था अमूल के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। यह किसानों को जैविक खेती के तरीकों में बदलाव के लिए प्रोत्साहित करेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शाह ने प्रामाणिक जैविक उत्पादों के लिए खेत-से-उपभोक्ता तक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनाने की जरूरत बतायी। साथ ही एनसीओएल को उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अमूल और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से जुड़े किसानों को जैविक कृषि के तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की योजना के साथ मौजूदा डेयरी नेटवर्क का लाभ उठाने का भी आह्वान किया।

न्यूज अपडेट

बैंक, बीमा कंपनियां शिकायतों का समाधान तेजी से करें: वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली: वित्त मंत्रालय ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों से सार्वजनिक शिकायतों के समाधान में तेजी लाने का आग्रह किया। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में हुई बैठक में शिकायतकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों और नियामकों ने भाग लिया। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि शिकायत निवारण का आकलन करने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में समाधान की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और बीमा कंपनियों द्वारा हल की गई विभिन्न शिकायतों में से चुनी गई 20 सार्वजनिक शिकायतों की समीक्षा की गई। इससे पहले, सचिव ने 26 दिसंबर को आयोजित प्रगति बैठक में दिए गए प्रधानमंत्री के निर्देश को दोहराया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों के चेयरमैन/प्रबंध निदेशक/कार्यकारी निदेशक स्तर के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को समाधान की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए हर महीने निस्तारित शिकायतों में कम-से-कम 20 मामलों की समीक्षा करनी चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान, उन्होंने पाया कि ग्राहकों ने जो शिकायतें कीं, उनमें से ज्यादार सही थीं। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान करते समय ग्राहकों की संतुष्टि केंद्र में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत निवारण में कोई भी ढिलाई/लापरवाही ग्राहक सेवा के लोकाचार के खिलाफ है और संगठन की प्रतिष्ठा/ब्रांड मूल्य को कम करती है।

यूपीआई ऐप के लिए 30 प्रतिशत बाजार सीमा लागू करने की समयावधि दो साल बढ़ी

नयी दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यूपीआई ऐप का संचालन करने वाली फोनपे और गूगलपे जैसी कंपनियों को राहत दी है। एनपीसीआई ने तीसरे पक्ष के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर बाजार सीमा 30 प्रतिशत लागू करने की समयावधि दो साल यानी 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दी है। यह तीसरी बार है जब एनपीसीआई ने समयसीमा बढ़ाई है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने मंगलवार को जारी परिपत्र में कहा, 'विभिन्न चीजों को ध्यान में रखते हुए, मौजूदा तृतीय पक्ष एप्लिकेशन प्रदाताओं (टीपीएपी) के लिए मात्रा सीमा के अनुपालन की समयसीमा दो साल यानी दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दी गई है। ये वे टीपीएपी हैं, जिनका बाजार सीमा से अधिक है।' एनपीसीआई ने शुरू में नवंबर, 2020 में यूपीआई ऐप द्वारा प्रसंस्कृत किए जा सकने वाले लेनदेन की मात्रा पर 30 प्रतिशत की सीमा का प्रस्ताव दिया था। इसके लिए मौजूदा इकाइयों को दो साल में मात्रा सीमा का पालन करने का समय दिया गया था। वर्तमान में, गूगल पे और फोन पे जैसे प्रमुख टीपीएपी की यूपीआई लेनदेन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है।

दिसंबर में छुट्टियों के कारण यात्राएं बढ़ने से पेट्रोल, डीजल की बिक्री में उछाल

नयी दिल्ली: क्रिसमस और नए साल के मौके पर बड़ी संख्या में लोगों के सफर पर निकलने से दिसंबर के महीने में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में खासी तेजी दर्ज की गई। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के बुधवार को जारी प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर, 2024 में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत बढ़कर 29.9 लाख टन हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में 27.2 लाख टन पेट्रोल बेचा गया था। वहीं तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री पिछले महीने 4.9 प्रतिशत बढ़कर 70.7 लाख टन हो गई। इसके पहले नवंबर में भी डीजल बिक्री कई महीनों की सुस्ती के बाद बढ़ी थी। यह लगातार दूसरा महीना है जब पेट्रोल और डीजल दोनों की बिक्री बढ़ी है। नवंबर के महीने में पेट्रोल की मांग में 8.3 प्रतिशत और डीजल की मांग में 5.9 प्रतिशत की तेजी आई थी। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में क्रिसमस और नए साल की छुट्टियां होने से सड़क यात्राओं के साथ हवाई और रेल यात्राएं बढ़ने से ईंधन बिक्री को बढ़ावा दिया। इसके अलावा खरीफ फसल की बुवाई के कारण कृषि क्षेत्र में ईंधन की मांग भी बढ़ी। हालांकि, दिसंबर, 2024 में मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री नवंबर के 31 लाख टन की तुलना में 3.6 प्रतिशत कम रही। इसी तरह, डीजल की मांग नवंबर के 72 लाख टन से 1.7 प्रतिशत कम रही।

देश के करोड़ों वनवासी एंव ग्रामवासी बंधुओं को
विकास की मुख्य धारा में शामिल करने
एवं सनातन संस्कृति की चेतना को जागृत करने हेतु

आज शुभारम्भ

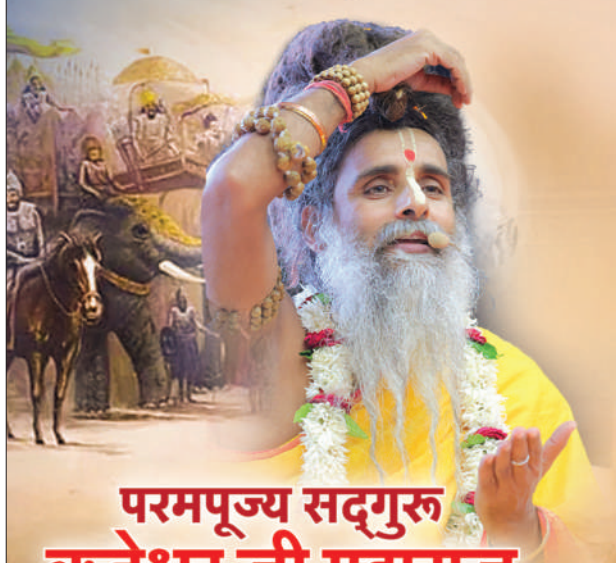

परमपूज्य सद्गुरु
ऋतेश्वर जी महाराज
(वृन्दावन धाम)

त्रि दिवसीय
श्री कृष्ण लीला
108 गीता पाठ पारायण सहित

रथ लोकार्पण
श्रीमती यमुना देवी जी मूँधड़ा एवं डॉ. बिट्ठल दास जी मूँधड़ा
(मेसर्स श्री चैरिटी ट्रस्ट) द्वारा सादर सप्रेम भेंट
दिनांक
3 जनवरी, 2025 (शुक्रवार)
दोपहर 2:30 बजे

2 एवं 3 जनवरी, 2025 | दोपहर 3 से सायं 6 बजे तक
4 जनवरी, 2025 | दोपहर 2 से सायं 4:30 बजे तक
स्थान: ओजस बैंक्वेट हॉल
86ए, जे. बी. एस. हॉल्डेन एवेन्यु, तृतीय तल, तोपसिया,
कोलकाता 700046

रथ लोकार्पण
स्वर्गीय श्याम सुन्दर जी क्याल एवं शारदा देवी जी क्याल की पुण्य स्मृति में
उनके सुपुत्रों श्री कैलाश जी, श्री महेश जी एवं श्री नरेश जी क्याल द्वारा
सादर सप्रेम भेंट
दिनांक
4 जनवरी, 2025 (शनिवार)
दोपहर 1:30 बजे

विशेष:
सामूहिक सुन्दरकाण्ड पाठ
शनिवार, 4 जनवरी 2025,
सुबह 9:30 बजे से
श्री बालाजी जागरण मंडल द्वारा

श्रीहरि सत्संग समिति कोलकाता
समिति को दिया गया अनुदान आयकर की धारा 80 जी के अन्तर्गत कर मुक्त है।
संस्था CSR के अन्तर्गत पंजीकृत है।
कृपया अपनी अनुदान राशि
SHREEHARI SATSANGA SAMITY के नाम से प्रदान करें।

Bank details for online transfer
Shreehari Satsanga Samity
A/C - 084010100191456
IFSC - UTIB0002756
Bank- Axis Bank Ltd
Branch:
Harish Mukherjee Road,Kolkata

आप सपरिवार इष्ट मित्रों के साथ सादर आमंत्रित हैं

वर्ष 9, पूर्णांक 4107 अंक 257, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in